दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 89 ■ दमण, सोमवार 22 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दादरा नगर हवेली में मनरेगा के 26000 पंजीकृत श्रमिकों को मिलेगा जी राम जी योजना का सीधा लाभ

■ दादरा नगर हवेली में पिछले 10 वर्षों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अकुशल श्रमिकों के लिए एक वरदान साबित हो रही थी और इसके तहत 26000 श्रमिक पंजीकृत किए गए थे ■ जी राम जी जैसी नई योजना के आने से अब इन श्रमिकों को न सिर्फ 100 दिन रोजगार बल्कि 125 दिन रोजगार मिलेगा और रोजगार नहीं मिलने पर भत्ता भी मिलने की योजना है

(संजय सिंह)

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 दिसंबर। दादरा नगर हवेली में भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो यह एक खरीफ फसल प्रधान ज्योग्राफिकल एरिया है, जहां पर सिर्फ वर्ष की एक फसल खरीफ फसल की ही पैदावार होती है। 60% से अधिक आदिवासी बहुल आबादी होने के कारण वर्ष 2005 में जब महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना दादरा नगर हवेली में लागू की गई तो उस समय इस योजना के अंतर्गत लगभग 14000 लोग पंजीकृत किए गए थे, क्योंकि खेती के उपरांत और कुशल किसान और मजदूर रोजगार गारंटी योजना उनके लिए वरदान साबित हुई थी। यहीं कारण है कि पिछले 20 वर्षों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत पंजीकृत मजदूरों की संख्या अब बढ़कर 26000 हो गई है। सरकारी आंकड़ों में बताया गया है कि दादरा नगर हवेली का महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना की वार्षिक बजट लगभग 10 करोड है और मजदूरों को लगभग 80 से 90 दिन का रोजगार 380 रूपए के हिसाब से उपलब्ध कराया जा रहा है। लेकिन अब दादरा नगर हवेली में पंजीकृत इन 26000 किसान मजदूर की किस्मत नए सिरे से चमकने वाली है, क्योंकि भारत सरकार अर्थात मोदी सरकार ने महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना को अब एक नए स्वरूप में पेश किया है और यह दोनों सदनों में पास भी हो चुका है। राज्यसभा और लोकसभा से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे अपनी अंतिम मुहर भी लगा दी है, जिसका नाम अब महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना से बदलकर इस योजना का नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (VB-G RAM G) बिल 2025 है। इस बिल में बताया गया है कि योजना का उद्देश्य विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के मुताबिक देश में ग्रामीण विकास का एक नए ढांचे को तैयार करना है।

दमण विभाग कोली पटेल शिक्षा विकास मंडल ने समाज के तेजस्वी विद्यार्थियों का किया सम्मान

■ दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, उप प्रमुख रीना पटेल, काउंसिलर जयंती पटेल सहित अग्रणियों ने तेजस्वी छात्रों को किया सम्मानित ■ विद्यार्थियों के साथ-साथ डॉक्टरों एवं वकीलों का भी पुरस्कार देकर किया गया सम्मान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 दिसंबर। श्री दमण जिला कोली पटेल समाज हॉल में दमण विभाग कोली पटेल शिक्षा विकास मंडल द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तेजस्वी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजित किया गया था। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलित करके उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत किया गया। इस दौरान कांति पटेल ने प्रांसगिक उद्बोधन किया। इसके बाद भारती पटेल ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, उप प्रमुख रीना पटेल, काउंसिलर जयंती पटेल सहित अग्रणियों ने तेजस्वी छात्रों का सम्मान किया। इस दौरान कक्षा 10वीं एवं 11वीं के तेजस्वी विद्यार्थियों के साथ डॉक्टर एवं वकीलों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बडी संख्या में समाज के विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

घेलवाड पंचायत में चल रहे पोलियो टीकाकरण अभियान में सरपंच हिताक्षी पटेल बनी सहभागी, बच्चों को पिलाया पोलियो की डोज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 दिसंबर। दमण जिले में 21 दिसंबर को पोलियो रविवार के तहत पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया। इसी के तहत घेलवाड ग्राम पंचायत में चल रहे पोलियो टीकाकरण अभियान के बूथ पर घेलवाड सरपंच हिताक्षी पटेल ने उपस्थित रहकर बच्चों को पोलियो की डोज पिलाया। इस अवसर पर घेलवाड सरंपच हिताक्षी पटेल ने कहा कि आज हमारे गांव में राष्ट्रीय पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत पोलियो की खुराक पिलाने का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मैं गांव के सभी माता-पिता को अपील करती हूं कि 5 वर्ष से नीचे के सभी बच्चों पोलियो की खुराक जरुर पिलायें। पोलियो एक गंभीर बीमारी है, परंतु समय पर टीकाकरण कराकर इसे पूरी तरह से रोका जा सकता है। प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं हमारी आश बहनें, आंगणवाडी कार्यकर्ताओं तथा स्वयंसेवकों की मेहनत से यह अभियान सफल हो रहा है। घेलवाड ग्राम पंचायत की ओर से मैं तमाम सहयोगियों का आभार व्यक्त करती हूं और गांव को पोलियो मुक्त बनाने के लिए प्रत्येक नागरिकों के सहयोग की अपेक्षा रखती हूं। आओ हम सभी मिलकर स्वस्थ एवं सुरिक्षत भविष्य की तरफ आगे बढें।

केंद्रीय मंत्री शेखावत बोले– एसआईआर का विरोध करने वाले हैं खुद कंफ्यूज

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को मुंबई से जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने गोवा में आयोजित हालिया कला उत्सव की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी यह अनूठा कला उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उत्सव में प्रस्तुत कार्यक्रमों ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया और कला प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि जो लोग आज एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, वे ही कुछ समय पहले इसकी मांग कर रहे थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विरोध करने वालों को खुद यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस बात का विरोध कर रहे हैं। केवल विपक्ष में होने के कारण विरोध करना ही उन्होंने अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी समझ ली है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो थोड़े दिन पहले तक एसआईआर लागू करने की मांग कर रहे थे और अब उसी प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि वे खुद कंफ्यूज हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार और चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं और हर कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। संसद में विपक्ष के लगातार विरोध और हंगामे को लेकर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कि संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है, जहां जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को धरातल पर उतारने को लेकर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोग संसद को चर्चा का मंच बनाने के बजाय अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का अखाड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही जनता के। सरकार की प्राथमिकता देश के विकास और आम नागरिकों के हितों को आगे बढ़ाने की है, जबकि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

ढाई दर्जन मामलों में वांछित एक लाख का ईनाम बदमाश सिराज अहमद एनकाउंटर में ढेर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। लगभग ढाई दर्जन अपराधों में वांछित और यूपी के सुल्तानपुर के बहुचर्चित अधिवक्ता आजाद हत्याकांड में डेढ़ साल से फरार चल रहे बदमाश सिराज अहमद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। उस पर एक लाख का इनाम रखा हुआ था। यह मुठभेड़ सहारनपुर के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई। इस दौरान गोली लगने से सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सिराज अहमद का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हत्या, हत्या के प्रयास और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी गंभीर धाराओं में करीब 30 मुकदमे दर्ज हैं। एसटीएफ और स्थानीय पुलिस अब उससे पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य फरार आरोपियों की जानकारी जुटा रही है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि सिराज अहमद के सहारनपुर में मुठभेड़ के दौरान घायल होने की जानकारी मिली है। पकड़ा गया बदमाश सिराज अहमद, सुल्तानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के लोलेपुर गांव का रहने वाला है। एसटीएफ टीम को शनिवार की रात सूचना मिली कि सिराज किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से होकर सहारनपुर जिले में मौजूद है। सूचना पर टीम ने गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की। खुद को घिरता देख सिराज ने टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। अस्पताल में मौत हो गई।

इंडिगो के हवाई जहाज मे मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों में भगदड़

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर चकेरी एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में मधुमक्खियां के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियां एयरक्राफ्ट के अंदर घुस गई, जिसके कारण यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। यात्री हवाई जहाज से नीचे उतरकर अपने आपको बचाने में लग गए। एयरपोर्ट के कर्मचारियों ने मधुमक्खियां को कीटनाशक छिड़क कर वहां से हटाया। सबसे खास बात यह रही, मधुमक्खी हवाई जहाज के आंतरिक हिस्से में नहीं घुसी थी। जिसके कारण जल्द ही मधुमक्खियों के हमले को काबू में किया गया। यह घटना शुक्रवार दोपहर की है। विमान जब उड़ान भरने वाला था, उसी समय मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। विदेशी पर्यटकों ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जो वायरल हो रहा है। इस घटना के कारण फ्लाइट करीब 4 घंटे देर से दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों के ऊपर नहीं हुआ। इसको लेकर यात्री मधुमक्खियां को धन्यवाद देरहे थे।

नमो भारत ट्रेन में आपत्तिजनक हरकत : वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

गाजियाबाद(एजेंसी)। गाजियाबाद से मेरठ खंड पर चलने वाली रैपिड रेल नमो भारत ट्रेन में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। चलती ट्रेन के अंदर एक युवक और युवती ने आपत्तिजनक हरकतें कीं, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों यात्री सीट पर बैठे हुए अश्लील व्यवहार कर रहे हैं। यह घटना 24 नवंबर की बताई जा रही है, जब ट्रेन मोदीनगर (उत्तर) स्टेशन की ओर जा रही थी। बैकग्राउंड में ट्रेन की घोषणाएं भी स्पष्ट सुनाई दे रही हैं, जो वीडियो की प्रामाणिकता की ओर इशारा करती हैं। हालांकि ईएमएस इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में एक अन्य यात्री भी दो सीट पीछे बैठा दिखाई दे रहा है। घटना के वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के अधिकारियों से संपर्क कर सच्चाई का पता लगाएं। ग्रामीण जोन के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अब इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि यदि वीडियो सही पाया जाता है तो उचित कार्रवाई की जाएगी। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर खुलासा किया कि यह वीडियो पिछले महीने 24 नवंबर का है। मामले की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई थी और कुछ कार्रवाई भी की गई।

उत्तर भारत में घने कोहरे का कहर~बर्फबारी से नेशनल हाईवे बंद प्रदूषण का स्तर भी खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वी भारत के विशाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार को स्थिति इतनी विकट हो गई कि कोहरे की घनी चादर के कारण सड़कों पर दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे दिल्ली-एनसीआर समेत कई इलाकों में अघोषित लॉकडाउन जैसी स्थिति नजर आई। कोहरे के इस कहर ने परिवहन के सभी माध्यमों–सड़क, रेल और हवाई यातायात–पर ब्रेक लगा दिया है। दर्जनों उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जबकि राजधानी और दुरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेनों समेत सैकड़ों ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं, जिससे हजारों यात्री स्टेशनों और हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। रविवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को बर्फीली हवाओं के कारण कोहरे से थोड़ी राहत की उम्मीद दिखी थी, लेकिन यह राहत क्षणिक साबित हुई। कुछ ही समय बाद कोहरे की एक मोटी परत ने पूरे क्षेत्र को फिर से अपनी चपेट में ले लिया। मौसम में आए इस बदलाव का मुख्य कारण जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है, जिसकी वजह से वहां भारी हिमपात हो रहा है। भारी बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लद्दाख नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा है। वहीं, मैदानी इलाकों में ठंड के साथ-साथ वायु प्रदूषण ने भी चिंता बढ़ा दी है; दिल्ली के वजीरपुर जैसे इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के पार पहुंच गया है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी राहत की संभावना कम है। 21 दिसंबर की सुबह तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, 25 से 27 दिसंबर के बीच कोहरे का एक और दौर आने की आशंका है, जो विशेष रूप से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेगा। मध्य प्रदेश और झारखंड में भी अगले 24 से 48 घंटों तक कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। कोहरे के साथ-साथ शीत दिवस की स्थिति बनी हुई है, जिसका अर्थ है कि दिन के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। तापमान के मोर्चे पर, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन उसके बाद फिर से 4 डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के राज्यों जैसे तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी शीतलहर चलने का अनुमान जताया गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी के बीच मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। पहाड़ों पर हो रही इस बर्फबारी और मैदानी इलाकों में चल रही बर्फीली हवाओं ने पूरे उत्तर भारत को एक कोल्ड चैंबर में तब्दील कर दिया है।

इंडिगो फ्लाइट से यात्रा करने वालों के लिए अलर्ट जारी, उड़ानों के रद्द होने से बनी स्थिति

नई दिल्ली। धुंध और कोहरे के चलते अचानक फ्लाइट रद्द करना पड़ रहीं हैं। ऐसे इंडिगों ने एडवाइजरी जारी करते हुए अपने यात्रियों को अलर्ट कर कहा है कि घर से निकलने से पहले अपनी फ्लाइट चेक कर लें और सुनिश्चित करें कहीं आपकी फ्लाइट रद्द तो नहीं हुई है। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। विजिबिलिटी (दृश्यता) कम होने के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने रविवार के लिए अपने यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी और एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो एयरलाइन ने सोशल मीडिया और आधिकारिक माध्यमों से

यात्रियों को सूचित किया है कि खराब मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। एयरलाइन ने कहा है कि कम विजिबिलिटी के कारण विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ संभव नहीं होगा जिससे उड़ानें देरी से चल सकती हैं या उन्हें कैंसिल भी किया जा सकता है। इंडिगो की टीमें लगातार मौसम पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी बदलाव की स्थिति में यात्रियों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए जानकारी दी जाएगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए घर से निकलने से पहले लिंक पर जाकर अपनी फ्लाइट का ताजा स्टेटस जरूर देख लें। एयरलाइन ने उन यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं जिनकी उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी फ्लाइट को फिर से शेड्यूल कर सकते हैं। यदि यात्री यात्रा नहीं करना चाहते तो वे वेबसाइट के माध्यम से रिफंड के लिए आवेदन कर सकते हैं। एयरलाइन ने यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने का अनुरोध किया है। धुंध और प्रदूषण के कारण सिर्फ इंडिगो ही नहीं बल्कि पूरा एविएशन सेक्टर प्रभावित है। शनिवार को कम दृश्यता के चलते दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 66 उड़ानें रद्द की गईं। श्रीनगर से 4 और अमृतसर-दिल्ली रूट की 3 उड़ानें खराब मौसम की भेंट चढ़ गईं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री बोले- धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, नया कानून बनाएंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार शाम एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि राज्य सरकार अन्य धर्मों का अपमान करने या गाली-गलौज करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा के प्रावधान हेतु विधानसभा सत्र में एक नया अधिनियम प्रस्तुत करेगी। साथ ही, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कानूनों में उचित संशोधन भी किए जाएंगे। हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित क्रिसमस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी धर्मों के प्रति आपसी सम्मान की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए धार्मिक घृणा फैलाने तथा हमलों की घटनाओं के खिलाफ सरकार पहले से ही सख्त कदम उठा रही है।

धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक समुदाय राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं के पूर्ण लाभार्थी हैं। उन्होंने ईसाई और मुस्लिम समुदायों से जुड़े कब्रिस्तानों के लंबित मुद्दों को शीघ्र हल करने का पूरा आश्वासन दिया। क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने ईसा मसीह के उन अमर उपदेशों की याद दिलाई, जिनमें प्रेम, शांति, क्षमा और मानवता की सेवा का संदेश निहित है। विशेष रूप से, उन्होंने नफरत करने वालों से भी प्रेम करने के दिव्य संदेश पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिसंबर माह को तेलंगाना तथा कांग्रेस पार्टी के लिए विशेष और चमत्कारिक बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि तेलंगाना राज्य का गठन तथा सोनिया गांधी का जन्मदिन दोनों इसी माह में पड़ते हैं। सरकार द्वारा लागू की जा रही प्रमुख योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने इंदिराम्मा आवास योजना, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा सुविधा तथा गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली जैसी पहलों की सराहना की। अंत में, रेवंत रेड्डी ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के तहत राज्य विकास, समृद्धि और जनकल्याण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा।

सीएम उमर ने कहा- भ्रम में मत रहिए मैं दिल्ली और कश्मीर में अलग-अलग बात नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने बयानों से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां एक ओर विपक्षी गठबंधन केंद्र सरकार पर पूर्ण रूप से हमलावर रुख अपनाना चाहता है, वहीं उमर अब्दुल्ला समय-समय पर केंद्र की सराहना करके उस दबाव को कम कर देते हैं। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर केंद्र सरकार द्वारा राज्य को दी जा रही फंडिंग की खुलकर तारीफ की है। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी यह सराहना किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं है और वे स्थान के अनुसार अपनी बात नहीं बदलते।

एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने अपनी नीति को बिल्कुल साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि वे उन नेताओं में से नहीं हैं जो राजनीति में लोगों को गुमराह करें। जहां केंद्र सरकार अच्छा कार्य करती है, वहां वे उसकी प्रशंसा करते हैं और जहां कमी दिखती है, वहां खुली आलोचना भी करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं किसी को खुश करने के लिए झूठ नहीं बोलता। मैं अपनी बात दिल्ली में भी वही कहता हूं जो कश्मीर में कहता हूं।

मुख्यमंत्री बनने से पहले और बाद में भी उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करने की मांग उठाते रहे हैं। इसी मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार की उदारता पर सवाल उठाया। उनका कहना है कि राज्य दर्जे की बहाली को छोड़कर अन्य सभी मामलों में केंद्र सरकार ने उन्हें कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, सच कहूं तो पूर्ण राज्य के मुद्दे को छोड़ दें तो केंद्र सरकार ने हमें शिकायत करने का कोई अवसर नहीं दिया। सिर्फ इसी एक मामले में वे आगे नहीं बढ़ रहे, वहां हमें केवल शिकायतें ही मिली हैं। यह पूरा विवाद उमर अब्दुल्ला के हालिया बयानों और साक्षात्कारों से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की उदार फंडिंग और सहयोग की प्रशंसा की थी। उनकी अपनी पार्टी के सहयोगी और कश्मीर के कुछ अन्य नेता उन पर केंद्र सरकार के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ का कहना है कि दिल्ली में वे केंद्र की तारीफ करते हैं और कश्मीर आकर आलोचना शुरू कर देते हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए उमर ने कहा कि वे कभी भी स्थान के आधार पर अपनी बात नहीं बदलते। वे हमेशा से केंद्र की उदार फंडिंग की सराहना करते आए हैं और जहां गलती है, वहां आलोचना भी करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि वे विधानसभा हो या सार्वजनिक

मंच, हर जगह एक ही बात कहते हैं। वे किसी के दबाव में या प्रसन्नता के लिए अपनी राय नहीं बदलते। उनकी यह स्पष्टवादिता उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा रही है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग करती है। राज्य के विकास और केंद्र से सहयोग के मामले में वे सकारात्मक रुख रखते हैं, लेकिन पूर्ण राज्य दर्जे की मांग पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं।

दिल्ली पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री से मुलाकात की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में हिजाब खींचने वाले मामले को लेकर देशभर में चल रही बयानबाजी और राजनीतिक चर्चा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली पहुंचे हैं। ऐसे हालात में उनके दिल्ली आगमन को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। दिल्ली में नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात होने की भी संभावना है। दिल्ली पहुंचने पर सीएम नीतीश कुमार का एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता ललन सिंह ने स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हो सकती है। हालांकि फिलहाल इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में बिहार से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में बिहार में हिजाब विवाद को लेकर देश भर में सियासी बयानबाजी तेज है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री का दिल्ली पहुंचना और प्रधानमंत्री से संभावित मुलाकात कई तरह के राजनीतिक संकेत दे रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में जिस जज ने सोनिया को राहत दी उसी को हटाने पर अड़ा लालू परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत के विशेष जज को लेकर इन दिनों राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि जिस जज ने हाल ही में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में बड़ी राहत दी थी, उसी जज को बदलने की मांग राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार की ओर से की गई। हालांकि अदालत ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका नामंजूर कर दी। राबड़ी देवी ने अपने और अपने परिवार के खिलाफ चल रहे मामलों को दूसरी अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि विशेष जज उनके मामलों में पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। अदालत ने साफ कहा कि केवल आरोपों के आधार पर किसी जज को बदलने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती और सुनवाई तय कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही आगे बढ़ेगी।

लालू परिवार के खिलाफ ये मामले लैंड फॉर जॉब्स और आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े हैं। इनमें राबड़ी देवी के अलावा लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्य आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसियों ने ट्रांसफर याचिका का कड़ा विरोध किया। एजेंसियों का कहना था कि यह याचिका दुर्भावना से दायर की गई है और इसका मकसद न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना है। यह भी दलील दी गई कि जब तक आरोप तय हुए और मामला सबूतों के चरण में पहुंचा, तब तक किसी तरह के पक्षपात का मुद्दा नहीं उठाया गया। इसी बीच, यही विशेष जज एक अन्य अहम फैसले को लेकर भी चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अदालत का कहना था कि यह शिकायत किसी अनुसूचित अपराध से जुड़ी एफआईआर पर आधारित नहीं है, इसलिए कानूनन टिकाऊ नहीं मानी जा सकती। इस आदेश को गांधी परिवार के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा गया। हालांकि इस फैसले से असंतुष्ट जांच एजेंसी ने अब हाईकोर्ट का रुख किया है। एजेंसी का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत नया अभियोजन मामला दर्ज किया गया है और ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। इस पर जल्द सुनवाई होने की संभावना है।

नेशनल हेराल्ड मामला एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़ा है, जो पहले नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करती थी। आरोप है कि 2010 में 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नाम की कंपनी ने एजेएल का कर्ज बहुत कम रकम में खरीद लिया और बाद में हजारों करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस कंपनी में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की बड़ी हिस्सेदारी बताई जाती है। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस लेनदेन के जरिए पार्टी फंड का दुरुपयोग कर संपत्तियों पर कब्जा किया गया। हाल ही में इससे जुड़ी सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

जी राम जी बिल की तुलना मनरेगा से करने का फैसला करने कांग्रेस ने बुलाई बैठक

एनडीए सदस्यों ने जताया विरोध, राष्ट्रपति की मंजूरी से पहले फंसा पेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनरेगा की जगह लेने वाले 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) बिल-2025 को लेकर सियासी टकराव और तेज हो गया है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद ससगिरी शंकर उलाका ने 29 दिसंबर को समिति की बैठक बुलाई है। इस बैठक में बीवी जी राम जी बिल पर चर्चा और इसकी तुलना मनरेगा से करने का फैसला किया है। इस कदम को प्रस्तावित कानून पर राजनीतिक लड़ाई को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है, जिस पर सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया है।

समिति के एजेंडे में ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से 'बीवी- जी राम जी बिल' पर प्रस्तुति और इसकी मनरेगा से तुलना शामिल है। कांग्रेस सांसद उलाका इस समिति के अध्यक्ष हैं। बीजेपी सांसदों को इस बात पर आपत्ति है कि यह बिल

संसद से पारित होने के बावजूद अभी राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है और गजट में अधिसूचना के बाद ही कानून बनेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद विवेक ठाकुर ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'विचारहीनता' को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब तक बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक इसे कानून नहीं माना जा सकता। बीजेपी के अन्य सांसदों का कहना है कि संसद से हाल ही में पारित किसी बिल पर समिति चर्चा नहीं कर सकती, बल्कि वह केवल उसके क्रियान्वयन की समीक्षा और सिफारिशें दे सकती है। एनडीए सदस्यों का आरोप है कि बिल की तुलना यूपीए काल की मनरेगा योजना से करना मुद्दे का जानबूझकर राजनीतिकरण है। उनका कहना है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस नए कानून की आलोचना करने के लिए एकजुट हैं। यह नया कानून उस पुराने कानून की जगह लेगा, जिसके तहत महात्मा गांधी के नाम पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चलाई जा रही थी, और अब योजना के नाम से गांधी जी का नाम हटा दिया गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस समिति का एजेंडा विवादों में आया हो। इससे पहले जुलाई में भूमि अधिग्रहण कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए समिति की बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर और अभिनेता प्रकाश राज को बुलाने के फैसले पर बीजेपी सदस्यों ने तीखा विरोध जताया था। मेधा पाटकर की मौजूदगी को लेकर बीजेपी सांसदों ने उन्हें 'विकास विरोधी' बताते हुए बैठक से वॉक आउट किया था, जिसके चलते बैठक बीच में ही समाप्त हो गई थी।

चीन भारत में ला सकता है बाढ़ या सूखा? ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर बना रहा ऐसा टाइम बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं कि चोर चोरी से जाएं.....लेकिन सीनाजोरी से नहीं, यह कहावत चीन पर सटीक बैठती है। क्योंकि चीन अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है। चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक बड़ी जलविद्युत परियोजना को बनने में जुटा है। इसके बारे में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भारत में नदी के निचले हिस्से में जल सुरक्षा, इकोसिस्टम और आजीविका को गंभीर रूप से खतरे में डाल सकता है। क्योंकि यह नदी ब्रह्मपुत्र के रूप में भारत में प्रवेश करती है, इसलिए नदी के ऊपरी हिस्से में किसी भी बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप को उन लाखों लोगों के लिए सीधा खतरा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित 168 अरब डॉलर की हाइड्रोपावर योजना बहुत बड़ी होगी। यह योजना करीब 2000 मीटर की खड़े ढलान का इस्तेमाल करके कई बांध, जलाशय, सुरंगें और अंडरग्राउंड पावर स्टेशन के द्वारा बिजली बनाएगी।

विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वे ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी घटनाओं पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत ने तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी भाग) के निचले इलाकों पर चीन के मेगा डैम प्रोजेक्ट शुरु करने की खबरों का संज्ञान लिया है।

विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि इस परियोजना को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन में इसकी तैयारियां कर रहा हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार इस इलाके में भारतीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है, सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखती है, इसमें चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के विकास की योजनाएं भी शामिल हैं, और अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाती है।

रिपोर्ट में विशेषज्ञों का कहना है कि ऊपरी हिस्से में (चीन में) कोई छेड़छाड़ या प्रोजेक्ट होने से नदी का प्राकृतिक बहाव बिगड़ सकता है। यहां तक कि छोटे-छोटे बदलाव भी असम और अरुणाचल प्रदेश के उपजाऊ बाढ़ वाले मैदानों, मछली पालन और भूजल रिचार्ज को प्रभावित कर सकते हैं। ये इलाके पहले से ही जलवायु परिवर्तन के तनाव से कमजोर हैं। वहीं चीन ने इन सभी चिंताओं को खारिज किया है। चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि निचले इलाकों वाले देशों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इस प्रोजेक्ट का तकनीकी स्तर इतना जटिल है कि इससे डर बढ़ गया है।

भारत ने भी तेज किया अपना प्रोजेक्ट

इन ऊपरी प्रोजेक्ट्स को देखते हुए भारत की सबसे बड़ी सरकारी हाइड्रोपावर कंपनी ने ब्रह्मपुत्र पर अपना 11,200 मेगावाट का प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ाया है, ताकि रणनीतिक और पानी की सुरक्षा न

खो जाए। विशेषज्ञ कहते हैं कि एक ही नदी पर दोनों देशों के बड़े प्रोजेक्ट जोखिम बढ़ा सकते हैं। बिना सहयोग और पारदर्शिता के, भारत-चीन के बीच बांध बनाने की होड़ से ब्रह्मपुत्र और इसके लाखों निर्भर लोगों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने वीबी- 'जी राम जी' बिल 2025 को दी मंजूरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण), जिसे वीबी- 'जी राम जी' बिल 2025 कहा जा रहा है, को अपनी मंजूरी दे दी है। इस नए अधिनियम के लागू होने के साथ ही ग्रामीण परिवारों के लिए वैधानिक मजदूरी रोजगार गारंटी को बढ़ाकर प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिन कर दिया गया है। अब तक यह सीमा 100 दिनों की थी। सरकार का कहना है कि यह नया कानून वर्ष 2005 से लागू मनरेगा अधिनियम की जगह लेगा। पिछले दो दशकों में ग्रामीण भारत की आर्थिक स्थिति, डिजिटल ढांचे, कनेक्टिविटी और आवश्यकताओं में व्यापक बदलाव आए हैं। ऐसे में केवल पुराने कानून में संशोधन करने के बजाय एक नए और आधुनिक वैधानिक ढांचे की जरूरत महसूस की गई, जिसे 'विकसित भारतझजी राम जी' बिल के रूप में लागू किया गया है। इस अधिनियम का उद्देश्य सिर्फ अस्थायी रोजगार उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ आजीविका, मजबूत बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देना है। सरकार के अनुसार, यह कानून सशक्तिकरण, समावेशी विकास, विभिन्न विकास योजनाओं के बेहतर समन्वय और संसाधनों के व्यापक वितरण पर केंद्रित है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को

मजबूती मिलेगी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। बताया जा रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी रोजगार के दिन बढ़ने से लाखों परिवारों की आय में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। साथ ही, यह कदम पलायन को रोकने और गांवों में ही रोजगार के अवसर पैदा करने में मददगार माना जा रहा है। इस प्रकार राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वीबी- 'जी राम जी' बिल 2025 को ग्रामीण भारत के लिए एक नई शुरुआत और मजदूरों के लिए राहत वाला फैसला कहा जा रहा है।

असम दौरे के दूसरे दिन पीएम मोदी ने ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज पर राज्य के 25 बच्चों से परीक्षा पे चर्चा की

डिब्रूगढ़,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी के असम दौरे का रविवार को दूसरा दिन है। 10 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट की शुरुआत से पहले पीएम मोदी गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज यात्रा कर रहे हैं। इसमें वे राज्य के 25 बच्चों से परीक्षा पे चर्चा भी कर रहे हैं। पीएम करीब 45 मिनट तक छात्रों से बातचीत की। इसके बाद पीएम मोदी डिब्रूगढ़ जिले में 10,600 करोड़ रुपए की लागत वाले ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया यूरिया प्लांट की नींव रखेंगे। इससे पूरे इलाके में किसानों को यूरिया आसानी से मिल सकेगी। पीएम मोदी नामरूप में ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्प लिमिटेड के मौजूदा परिसर में नए फर्टिलाइजर यूनिट की आधारशिला रखेंगे। भूमि पूजन के बाद पीएम जनसभा को संबोधित करेंगे। 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा के चुनाव अगले साल मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है। ये पिछले चार महीने में उनका दूसरा दौरा है। चुनाव से तीन महीने पहले वे राज्य में कुल 15,600 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की शुरुआत कर रहे हैं। शनिवार को उन्होंने गुवाहाटी में 5000 करोड़ की लागत वाली लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी परीक्षा पे चर्चा के बाद शहीद स्मारक पहुंचे। जहां 1985 में अवैध प्रवासियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आंदोलन के पहले शहीद खरगेश्वर तालुकदार की प्रतिमा पर माला पहनाई। छह साल तक चले आंदोलन के 860 शहीदों की

याद में यहां एक दीया हमेशा जलता रहता है। 170 करोड़ रुपए की लागत से बने इस स्मारक में पानी के कुंड, ऑडिटोरियम, प्रेयर रूम, साइकिल ट्रैक और साउंड एंड लाइट शो जैसी सुविधाएं हैं, जो असम आंदोलन और राज्य के इतिहास के कई पहलुओं को उजागर करेगा। पीएम मोदी के दौरे के मद्देनजर शनिवार से 2 दिनों के लिए ब्रह्मपुत्र नदी पर फेरी सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। परीक्षा पे चर्चा से पहले पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई। नदी पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान सुबह से ही गश्त करते दिखे। इवेंट में भाग लेने वाले छात्रों को कामरूप मेट्रोपॉलिटन, मोरीगांव, डिब्रूगढ़, कछार, श्रीभूमि, बक्सा, दीमा हसाओ, कोकराझार, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग और नलबाड़ी जिलों के स्कूलों से चुना गया था।

दिल की धड़कन रुकने के बाद भी जुड़वा बच्चों का जन्म मेडिकल साइंस में दुनिया का पहला मामला

■ गर्भावस्था में डायलिसिस? इसके बाद भी जुडवां बच्चों का जन्म

इंदौर (ईएमएस)। मां की जिद के आगे भगवान भी झुक गए,यदि यह कहा जाए तो अति- शयोक्ति नहीं होगी। इंदौर में 35 साल की जागृति कुशवाहा ने ऐसी ही कड़ी परीक्षा पास की है। जिसमें वह भगवान से लड़ गई। उसकी जिद थी, वह अपने बच्चों को जन्म देगी। शादी के 7 साल बाद जागृति कुशवाहा गर्भवती हुई थी। 4 महीने की गर्भावस्था में ब्लीडिंग होना शुरू हो गई थी। 2 अगस्त को उसे इंदौर के ज्यूपिटर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां जांच में गंभीर इंस्पेक्शन होने के कारण इलाज शुरू किया गया। उसकी दोनों किडनियों ने काम करना बंद कर दिया था। जिसके कारण उसे डायलिसिस पर रखा गया। किडनी के कारण का कई अन्य आंतरिक परेशानियां शुरू हो गई थी। डॉक्टरों द्वारा प्रतिदिन 6 घंटे डायलिसिस पर रखा जा रहा था। 22 वें हफ्ते में किडनी की बायोप्सी की गई। जिसके अनुसार ठीक होने की संभावना नहीं थी। डॉक्टर उसे गर्भपात कराने की सलाह दे रहे थे। जागृति ने इनकार कर दिया। 24 वें हफ्ते से उसकी हालत बिगड़ना शुरू हो गई। फेफड़ों में पानी भर गया था। ऑक्सीजन का लेवल गिरने लगा, सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। जिसके कारण डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर में शिफ्ट किया। डायलिसिस के दौरान उसे कार्डियक अरेस्ट हुआ। करीब 7 मिनट तक उसके दिल ने धड़कना बंद कर दिया था। सीपीआई के बाद जैसे तैसे धड़कन वापस लौटी। इतनी गंभीर हालत में भी सोनोग्राफी में दोनो गर्भस्थ शिशु सुरक्षित पाए गए। डॉक्टरों ने महिला की हालत को देखते हुए 30 वें हफ्ते में ऑपरेशन के जरिए बच्चों का जन्म कराया। ऑपरेशन में एक लड़का और एक लड़की का जन्म हुआ। दोनों बच्चे अंडरवेट थे। इन्हें आईसीयू में रखा गया। 25 नवंबर को बच्ची और 15 दिसंबर को लडके को अस्पताल से डिस्चार्ज किया। दोनों बच्चों की मां जागृति को अभी भी सप्ताह में दो बार डायलिसिस की जरूरत पड़ रही है। किडनी ट्रांसप्लांट के लिए पंजीयन कराया गया है। इस महिला में इतना हौसला है। वह बच्चों के लिए जिंदा रहना चाहती है। इस असाधारण क्षमता के कारण मेडिकल साइंस के सभी पैरामीटर इस महिला के सामने फेल होते हुए नजर आ रहे हैं। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉक्टर सनी मोदी के अनुसार महिला की जिस तरह की स्थिति थी। उसमें 30 वें हफ्ते तक उसको और उसके बच्चों को सुरक्षित रख पाना मेडिकल चिकित्सा में संभव ही नहीं था। मेडिकल साइंस की दृष्टि से दुनिया का यह ऐसा पहला मामला है। जिसमें दोनों किडनी फेल होना, 7 मिनट तक दिल की धड़कन बंद होना, अन्य आंतरिक अंगों का कमजोर होना, लगातार डायलिसिस होना उसके बाद भी महिला की जिद के कारण ही वह अपने बच्चों को जन्म दे पाई। उसके आत्मविश्वास ने इस असंभव कार्य को संभव करके दिखाया है। एक तरह से उसने ईश्वर से लड़कर अपने बच्चों को जन्म दिया है।

बिना यात्रा, ट्रेन जैसा अनुभव! आंबली रोड स्टेशन पर बन रहा अनोखा रेल कोच रेस्टोरेंट

■ पश्चिम रेलवे की अनूठी पहल, 24 घंटे सेवा, मल्टी-क्यूज़नि भोजन और परिवारों के लिए फन ज़ोन की सुविधा

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा आंबली रोड रेलवे स्टेशन पर आधुनिक 'रेल कोच रेस्टोरेंट' का निर्माण किया जा रहा है। इस अनूठी पहल के तहत परिवर्तित रेल कोचों में रेस्टोरेंट विकसित किया जा रहा है, जहाँ बैठकर लोग बिना यात्रा किए ही चलती ट्रेन में होने जैसा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे और स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे। आंबली रोड स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट अहमदाबाद क्षेत्र का पहला रेस्टोरेंट होगा। पश्चिम रेलवे में बांद्रा टर्मिनस, अंधेरी, बोरीवली, रतलाम तथा राजकोट में रेल कोच रेस्टोरेंट स्थापित किए गए है। इस रेल कोच रेस्टोरेंट में 24 घंटे सेवा उपलब्ध रहेगी, जिससे यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों को भी दिन-रात भोजन की सुविधा मिलेगी। अहमदाबाद की जनता यहाँ परिवार और मित्रों के साथ बैठकर विभिन्न व्यंजनों का स्वाद ले सकेगी तथा आकर्षक रेल-थीम वातावरण में सेल्फी और यादगार पलों का आनंद उठा सकेगी। इस रेस्टोरेंट में इनडोर एवं आउटडोर डाइनिंग दोनों विकल्प होंगे। इसके साथ ही पर्याप्त पार्किंग, पार्सल/टेक-अवे सुविधा तथा बच्चों के लिए खेलने की व्यवस्था (फन ज़ोन) भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे यह स्थान परिवार-अनुकूल बन सके। यह रेस्टोरेंट हरियाली से युक्त सुखद वातावरण प्रदान करेगा तथा सभी सुरक्षा मानको का ध्यान रखकर बनाया जा रहा है। आंबली रोड के अतिरिक्त, महेसाणा, साबरमती, भुज एवं गांधीधाम

रेलवे स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया में भी 'रेल कोच रेस्टोरेंट' विकसित किए जाने की योजना है। भारतीय रेलवे के अभिनव दृष्टिकोण के तहत इन संशोधित कोचों में आधुनिक डिजाइन, संलग्न किचन तथा मल्टी-क्यूज़नि मेनू की सुविधा होगी, ताकि विभिन्न स्वादों की पसंद को पूरा किया जा सके। साथ ही, समग्र अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए पर्यावरण-अनुकूल एवं आकर्षक माहौल सुनिश्चित किया जाएगा।

कोहरे में छिपा ताजमहल, कड़ाके की ठंड जारी, कई जगह विजिबिलिटी शून्य

■ रेलवे स्टेशनों पर 70 से ज्यादा ट्रेनें और एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स लेट

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी में कड़ाके की ठंड और भीषण कोहरे का कहर जारी है। यहां सीजन में पहली बार पारा 5 डिग्री से नीचे पहुंच गया। पिछले 24 घंटे में सुल्तानपुर 4.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा। बाराबंकी में पारा 4.8, अयोध्या में 5, बरेली में 5.1डिग्री सेल्सियस और शाहजहांपुर में पारा 5.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार सुबह 28 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कई जगहों पर विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई। ज्यादातर शहरों में धूप नहीं निकली। सर्द हवाओं ने ठिठुरन और बढ़ा दी। ओस की बूंदें रिमझिम बारिश की तरह पड़ीं। कुछ जगह सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। बता दें शनिवार को प्रदेश के 17 जिलों में शिमला 11.8 और नैनीताल 9डिग्री सेल्सियस से ज्यादा ठंड रिकॉर्ड की गई। जालौन में शीतलहर को देखते हुए गौशालाओं में हीटर लगवाए गए। इस बीच मौसम विभाग ने लखनऊ, सीतापुर समेत पूरे अवध क्षेत्र के लिए अगले 2 दिन भीषण ठंड और घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। अधिकतर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कोहरे की वजह लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, बरेली समेत तमाम रेलवे स्टेशनों पर 70 से ज्यादा ट्रेनें लेट चल रही हैं। एयरपोर्ट पर कई

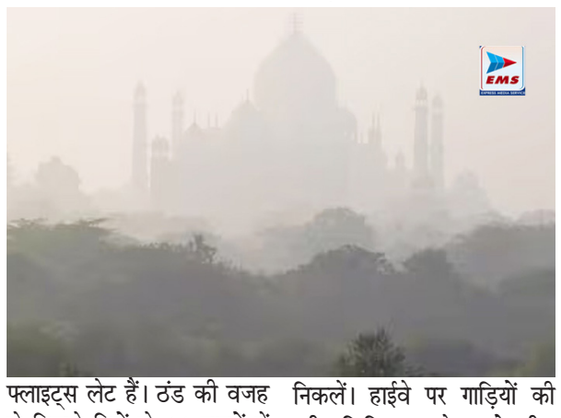

फ्लाइट्स लेट हैं। ठंड की वजह से पिछले दिनों से 11 शहरों में स्कूल बंद हैं। लखनऊ समेत 10 जिलों में स्कूलों की टाइमिंग भी बदली गई है। सरकार भी अलर्ट मोड पर है। लोगों से अपील की है कि बेवजह घर से बाहर न निकलें। हाईवे पर गाड़ियों की स्पीड लिमिट 60 से 80 के बीच कर दी गई है। किसानों का कहना है कि कोहरा गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद है, लेकिन आलू, दलहन और मटर के लिए नुकसानदायक है।

गौतस्करों ने किया जवान का अपहरण

कोलकाता (ईएमएस)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर शनिवार तडक़े कुछ बांग्लादेशी गौतस्करों ने एक बीएसएफ जवान का अपहरण कर लिया। गौतस्कर घनी धुंध का फायदा उठाकर जवान को साथ ले गए। हालांकि बाद में बदमाशों ने जवान को बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड के हवाले कर दिया। दोनों देशों के बीच बातचीत के बाद जवान को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घटना पश्चिम बंगाल के कोचबिहार जिले के मेखलीगंज इलाके में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार सुबह करीब 4:45 बजे हुई। जवान का नाम बेद प्रकाश है। वह बीएसएफ की 174वीं बटालियन में तैनात हैं और अर्जुन कैंप से जुड़े हैं। ड्यूटी के दौरान जवानों ने देखा कि सीमा के एक खाली हिस्से से मवेशियों का एक झुंड भारतीय क्षेत्र में घुस आया। तस्करों को खदेडऩे के दौरान बेद प्रकाश बाकी जवानों से कुछ आगे निकल गए।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM ANANDRAO PRABHAKAR BHOJ **TO ANAND PRABHAKAR BHOJ ADDRESS:** 15/340/F-1, JAY APARTMENT, KATHIRIA, NANI DAMAN-396210.

घरेलू थोक बाजार में चावल और गेहूं में तेजी, चीनी और दालें सस्ती

नई दिल्ली ।

घरेलू थोक जिंस बाजार में बीते सप्ताह चावल की कीमतों में मजबूती देखी गई। सप्ताह के दौरान चावल का औसत भाव 71 रुपये बढ़कर 3,827 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार ग्राहकी में वृद्धि और मांग की मजबूती के कारण चावल के भाव में यह उछाल आया है। गेहूं की कीमतों में भी बढ़ोतरी रही। गेहूं का औसत भाव 10 रुपये की वृद्धि के साथ 2,858.33 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं की मांग में थोड़ा इज़ाफा और भंडारण की रणनीतियों के कारण कीमतों में यह मामूली बढ़ोतरी हुई। आटे की कीमतें इस सप्ताह लगभग स्थिर रही। आटे का भाव 3,305.69 रुपये प्रति क्विंटल पर दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि आटे की सप्लाई पर्याप्त होने के कारण इसमें कोई खास उतार-चढ़ाव नहीं हुआ। बीते सप्ताह चीनी और दालों के बाजार में गिरावट रही। इसकी मुख्य वजह उत्पादन में वृद्धि और मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक होना बताया जा रहा है। दालों और चीनी की कीमतें

ग्राहकों के लिए कुछ राहत देने वाली रही हैं।

खाद्य तेलों के भाव में इस सप्ताह अस्थिरता देखी गई। कुछ तेलों में मामूली बढ़ोतरी रही, तो कुछ में कीमतें घटीं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों और आयात पर निर्भरता के कारण खाद्य तेलों में अस्थिरता बनी हुई है।

एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो 10 लाख करोड़ के करीब

बैंक की इस समय आवास ऋण बही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो अगले वित्त वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। बैंक की इस समय आवास ऋण बही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जो इसकी सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है और कुल परिसंपत्तियों का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बनाती है। एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी के अनुसार, बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में आवास ऋण को 8.31 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नौ लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंचाया। इस दौरान सालाना आधार पर वृद्धि दर 14.4 प्रतिशत रही। बैंक अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 10 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य की दिशा में बढ़ रहा है। एसबीआई ने अपने आवास ऋण पोर्टफोलियो को मार्च 2011 में केवल 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नवंबर 2025 तक 9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया। इस दौरान बैंक ने लगातार स्थिर और संरचित तरीके से ऋण वितरण किया। बैंक की सक्रिय निगरानी और प्रबंधन के कारण आवास ऋण खंड में नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स की दर 1 प्रतिशत से कम बनी हुई है, जिससे यह ऋण सुरक्षित और भरोसेमंद बना हुआ है। एसबीआई का यह मजबूत प्रदर्शन बैंकिंग क्षेत्र में स्थिरता और आवास वित्त पोषण में तेजी को दर्शाता है।

ट्रंप प्रशासन की जांच के बीच गूगल कर्मचारियों को मिली यात्रा की चेतावनी

- एच-1बी वीजा धारकों पर सख्ती, दूतावासों में अपॉइंटमेंट में 12 महीने तक की देरी

नई दिल्ली । गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने अमेरिका में काम कर रहे अपने कुछ कर्मचारियों को फिलहाल अंतरराष्ट्रीय यात्रा न करने की सलाह दी है। यह चेतावनी विशेष रूप से उन कर्मचारियों के लिए जारी की गई है जो अमेरिकी वीजा, खासकर एच-1बी पर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी की ओर से भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में कहा गया है कि अमेरिका के कई दूतावासों और काउंसलेट में वीजा अपॉइंटमेंट मिलने में भारी देरी हो रही है। ईमेल में बताया गया है कि यदि कोई कर्मचारी विदेश यात्रा करता है और उसे अमेरिका लौटने के लिए वीजा स्टैंप की आवश्यकता पड़ती है, तो वह लंबे समय तक अमेरिका के बाहर फँस सकता है। कुछ देशों में वीजा प्रक्रिया पूरी होने में 12 महीने तक का समय लग रहा है, जिससे कर्मचारियों और कंपनी दोनों को परेशानी हो सकती है। इस बीच अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा आवेदकों की जांच प्रक्रिया को और सख्त कर दिया है। नई प्रक्रिया में सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच भी शामिल की गई है। एच-1बी वीजा का उपयोग बड़ी टेक कंपनियां, विशेष रूप से भारत और चीन से कुशल पेशेवरों की नियुक्ति के लिए करती हैं।

दिल्ली प्रदूषण : पर्यावरण नहीं स्वास्थ्य की समस्या बन चुका है

डॉ नीलम महेंद्र

दिल्ली के प्रदूषण को समझने के लिए सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि इसका कोई एक कारण नहीं है। यह कई स्रोतों से पैदा हुआ एक सम्मिलित संकट है। वाहनों की बात करें तो दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत वाहनों की संख्या 1.2 करोड़ से अधिक है। इनमें से बड़ी संख्या डीजल आधारित है, जो PM2.5 और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे घातक प्रदूषक छोड़ती है। इसके अलावा रोजाना लगभग 10-12 लाख वाहन दिल्ली में बाहर से प्रवेश करते हैं। यह संख्या किसी भी महानगर के लिए असामान्य है और यही वजह है कि सड़क परिवहन दिल्ली के कुल प्रदूषण में लगभग 30 प्रतिशत तक योगदान देता है।

दिल्ली की हवा अब केवल प्रदूषित नहीं है, वह हमारे समय की सबसे बड़ी चुपचाप फैलती हुई आपदा बन चुकी है। यह संकट अचानक नहीं आया, बल्कि वर्षों की लापरवाही, गलत प्राथमिकताओं और आधे-अधूरे समाधानों का नतीजा है। हर सर्दी में जब स्मॉग की मोटी परत राजधानी को ढक लेती है, तब हम कुछ दिनों के लिए चिंतित होते हैं, फिर हालात सामान्य दिखने लगते हैं और हम मान लेते हैं कि समस्या टल गई। लेकिन सच यह है कि समस्या कहीं नहीं जाती, वह हमारे फेफड़ों में जमा होती रहती है।

दिल्ली के प्रदूषण को समझने के लिए सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि इसका कोई एक कारण नहीं है। यह कई स्रोतों से पैदा हुआ एक सम्मिलित संकट है। वाहनों की बात करें तो दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत वाहनों की संख्या 1.2 करोड़ से अधिक है। इनमें से बड़ी संख्या डीजल आधारित है, जो PM2.5 और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे घातक प्रदूषक छोड़ती है। इसके अलावा रोजाना लगभग 10-12 लाख वाहन दिल्ली में बाहर से प्रवेश करते हैं। यह संख्या किसी भी महानगर के लिए असामान्य है और यही वजह है कि सड़क परिवहन दिल्ली के कुल प्रदूषण में लगभग 30 प्रतिशत तक योगदान देता है।

निर्माण गतिविधियां दूसरा बड़ा कारण हैं। दिल्ली एक ऐसा शहर बन चुका है जो लगातार खुद को तोड़कर फिर से बना रहा होता है। फ्लाईओवर, मेट्रो विस्तार, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और व्यावसायिक परिसरों के कारण उड़ने वाली धूल ढट10 का प्रमुख स्रोत है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शहरी धूल दिल्ली के प्रदूषण में लगभग 15-20 प्रतिशत तक योगदान देती है। नियमों के बावजूद अधिकांश निर्माण स्थल खुले रहते हैं, जहां न तो पानी का छिड़काव नियमित होता है और न ही धूल रोकने की आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल।

इस क्रम में औद्योगिक प्रदूषण को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में हजारों छोटी औद्योगिक इकाइयां हैं, जो कोयला, फर्नेस ऑयल और अन्य प्रदूषणकारी ईंधनों का उपयोग करती हैं। ईंट भट्टे, प्लास्टिक जलाना, अवैध फैक्ट्रियां और कचरे का खुले में दहन–ये सब मिलकर हवा को और जहरीला बनाते हैं। विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया है कि उद्योग और ऊर्जा उत्पादन से जुड़े स्रोत दिल्ली के प्रदूषण में लगभग 15 प्रतिशत तक हिस्सेदारी रखते हैं।

इन सबके बीच पराली जलाने का मुद्दा हर साल चर्चा के केंद्र में आता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर के दौरान दिल्ली के प्रदूषण में पराली का योगदान औसतन 20 से 35 प्रतिशत के बीच रहता है। कुछ चरम दिनों में, जब हवा की दिशा प्रतिकूल होती है, यह योगदान 40 प्रतिशत तक भी पहुंच जाता है। लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सच है कि साल के बाकी महीनों में, जब पराली नहीं जलाई जाती, तब भी दिल्ली की हवा खराब ही रहती है। इससे साफ है कि पराली एक अहम कारण है, लेकिन उसे ही पूरे संकट का दोषी ठहराना एक आसान, लेकिन अधूरा तर्क है। इन तमाम कारणों का नतीजा यह है कि दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में लगातार शीर्ष पर बनी हुई है।

नवंबर2024 में तो दिल्ली के कुछ इलाकों का ॰ 1000 के पार चला गया था जबकि इसका सामान्य मानक शून्य से 50 के बीच होता है। यह कोई नजरंदाज करने वाला तथ्य नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि राजधानी की हवा विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कई गुना ज्यादा जहरीली हो चुकी है। हल्ड के अनुसार ढट2.5 का सुरक्षित स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जबकि दिल्ली में सर्दियों के दौरान यह स्तर 150 से 300 तक पहुंच जाता है। यानी सुरक्षित सीमा से 30 से 60 गुना अधिक।

इस प्रदूषण का असर अब आंकड़ों से आगे बढ़कर इंसानी शरीर पर साफ दिखने लगा है। दिल्ली में हर साल लाखों लोग सांस संबंधी बीमारियों के लिए इलाज करवाते हैं। हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामलों में भी प्रदूषण की भूमिका को अब वैज्ञानिक रूप से स्वीकार किया जा चुका है। लेकिन सबसे भयावह असर बच्चों पर पड़ रहा है। हालिया मेडिकल रिसर्च में यह सामने आया है कि दिल्ली के कई बच्चों के फेफड़ों में ऐसे पैच देखे गए हैं, जो कोविड के बाद दिखाई देने वाले फेफड़ों के नुकसान से मिलते-जुलते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां कारण संक्रमण नहीं, बल्कि लगातार जहरीली हवा में सांस लेना है।

बच्चों के शरीर पर इसका असर इसलिए भी ज्यादा गंभीर है क्योंकि उनके फेफड़े और प्रतिरक्षा तंत्र अभी विकसित हो रहे होते हैं। शोध बताते हैं कि प्रदूषित हवा में पले-बढ़े बच्चों की फेफड़ों की क्षमता सामान्य बच्चों की तुलना में 10झ्र20 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इसका असर केवल उनके स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि उनकी सीखने की क्षमता, शारीरिक विकास और भविष्य की उत्पादकता पर भी पड़ता है। यह एक ऐसा नुकसान है जिसकी भरपाई वर्षों बाद भी मुश्किल होती है। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि शोध आधारित वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक उपायों से इस गम्भीर संकट का सामना किया जाए।

हालांकि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। ग्रैप के तहत आपातकालीन प्रतिबंध, ऑड-ईवन योजना, स्कूलों का अस्थायी बंद होना, निर्माण कार्यों पर रोक और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा–ये सभी कदम दिखाते हैं कि समस्या को स्वीकार किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये उपाय पर्याप्त हैं। सच तो यह है कि ये अधिकतर प्रतिक्रियात्मक कदम हैं, न कि निवारक क्योंकि सालों से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।

इन परिस्थितियों में हमें दुनिया के उन शहरों से सीखने की जरूरत है जिन्होंने कभी ऐसे ही संकट का सामना किया था। लंदन का ग्रेट स्मॉग (1952) एक ऐतिहासिक उदाहरण है, जिसने वहां की सरकार को क्लीन एयर एक्ट लाने पर मजबूर किया। आज लंदन की हवा दिल्ली से कहीं बेहतर है क्योंकि वहां निजी वाहनों पर भारी कंजेशन चार्ज लगाया गया और सार्वजनिक परिवहन को विश्व स्तरीय बनाया गया। इसी तरह, बीजिंग ने पिछले एक दशक में अपने प्रदूषण स्तर को 40% तक कम किया है। उन्होंने कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को शहर से बाहर किया, इलेक्ट्रिक वाहनों को अनिवार्य स्तर तक बढ़ावा दिया और रीयल-टाइम सख्त निगरानी प्रणाली लागू की। दिल्ली भी इन उपायों पर काम करके प्रदूषण की समस्या से निजात पा सकती है।

इसके साथ ही, शहरी हरित क्षेत्र भी बढ़ाने होंगे। रिसर्च यह बताती है कि यदि किसी शहर के कुल क्षेत्रफल का 20झ्र25 प्रतिशत हिस्सा हरित क्षेत्र हो, तो प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आ सकती है। दिल्ली इस मानक से काफी पीछे है।

निर्माण और उद्योग के क्षेत्र में तकनीक आधारित सख्त निगरानी की जरूरत है। रियल-टाइम मॉनिटरिंग, स्वचालित जुर्माना प्रणाली और पारदर्शी डेटा सार्वजनिक करना ऐसे कदम हैं, जो केवल कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर असर दिखा सकते हैं। पराली के मामले में भी किसानों को दोषी ठहराने के बजाय पराली को ऊर्जा में परिवर्तित करके उसे समाधान का हिस्सा बनाना होगा। अनेक वैज्ञानिक विकल्प मौजूद हैं, लेकिन जब तक उन्हें व्यवहारिक रूप से अपनाया नहीं जाएगा, तब तक समस्या बनी रहेगी।

इस संकट की गंभीरता को जनसंख्या के संदर्भ में भी देखना जरूरी है। क्योंकि दिल्ली-एनसीआर की आबादी लगभग 4 से 5 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 3 से 4प्रतिशत हिस्सा है। यानी देश का हर पच्चीसवां नागरिक इस क्षेत्र में रहता है। यदि इतनी बड़ी आबादी लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेती रहे, तो इसका असर केवल स्थानीय नहीं रहेगा। यह देश की स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव डालेगा, कार्यबल की उत्पादकता घटाएगा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को कमजोर करेगा।

इन परिस्थितियों में दिल्ली का प्रदूषण अब मात्र पर्यावरण का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता का भी सवाल बन चुका है। यह उस बच्चे की पीड़ा बन चुका है जो मास्क पहनकर स्कूल जाता है, उस बुजुर्ग की बेबसी बन चुका है जो सुबह की सैर छोड़ने के लिए मजबूर है, और उस परिवार की मजबूरी बन चुका है जो खिड़कियां बंद करके भी साफ हवा नहीं पा सकता। अगर आज भी हम इसे केवल मौसमी समस्या मानते रहे, तो इतिहास हमें उस पीढ़ी के रूप में याद रखेगा जिसने सब कुछ देखा, सब कुछ जाना, लेकिन फिर भी कुछ नहीं बदला।

(लेखिका पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य हैं।)

संपादकीय

चूक से हादसे

लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का वह बयान तार्किक ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं। निश्चय ही यदि वाहन चालकों को सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाए और हम जिम्मेदारी-सावधानी से वाहन चलाएं तो हर साल हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। भारत में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले कम वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन सड़क हादसों के मामले में हम अव्वल हैं। विडंबना देखिए कि एक साल में देश के भीतर करीब पांच लाख सड़क हादसे दर्ज किए जाते हैं। बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो छोटे शहरों व भीतरी इलाकों में होते तो हैं, लेकिन दर्ज नहीं होते। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोग इन हादसों में मारे जाते हैं। लाखों लोग इन हादसों में घायल होते हैं। हजारों लोग ऐसे भी होते हैं जो हादसों के बाद जीवनपर्यंत सामान्य जीवन नहीं जी पाते हैं। दुखद स्थिति यह भी है कि मरने वालों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की होती है। एक आंकड़े के अनुसार मरने वालों में 66 फीसदी लोग 18 से 34 साल के बीच होते हैं। जो अपने परिवार के कमाने वाले व्यक्ति होते हैं। फलतः हादसे के बाद कई परिवार गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना भी है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि ओवर स्पीडिंग से 68 फीसदी से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं निर्धारित स्पीड से अधिक तेजी से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के चलते ही 68 फीसदी मौतें भी होती हैं। निश्चित रूप से ये हादसे व मौतें मानवीय व्यवहार की कमजोरी से जुड़े हैं। जहां देश में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे का तेजी से विस्तार हुआ है तो बेहतर सड़कों में वाहन चालकों की गति अनियंत्रित हो चली है। जो कालांतर सड़क हादसों की वजह बनती है। यह विडंबना है कि हम अकसर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। आज की युवा पीढ़ी हेलमेट पहनने से परहेज करती है। यह जानते हुए कि हादसों में सिर की चोट जानलेवा बन जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में हेलमेट न लगाने के कारण 54,568 लोगों की मौत हुई। वहीं सीट बेल्ट न लगाने से 16 हजार से अधिक यात्रियों की जान गई। इन हादसों की एक बड़ी वजह ऐसे अकुशल चालकों का होना भी था, जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। आंकड़ों के अनुसार दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार चालकों में 33,827 ऐसे थे जिनके पास लाइसेंस नहीं थे। देश में बड़ी संख्या ऐसे चालकों की होती है, जो मेडिकली फिट नहीं होते। इसके अलावा जुगाड़ से ले-देकर लाइसेंस बनाने वालों की भी कमी नहीं है।

चिंतन-मनन

अहं भाव न पालें

एक बार देशभक्त वीर शिवाजी सज्जनगढ़ का किला बनवा रहे थे। हजारों मजदूर वहां काम करते थे। एक दिन शिवाजी किले को देखने गए। यत्र की तरह उनको काम करते देखकर शिवाजी के मन में अहं आ गया। वे सोचने लगे- इन सबकी आजीविका मेरे द्वारा चलती है! इतने में उनके गुरू समर्थ रामदास स्वामी वहां पहुंच गए। विशिष्ट ज्ञान के द्वारा उन्होंने शिवाजी के मन की बात जान ली और निश्चय किया कि इसको प्रतिबोध देना जरूरी हो गया है। वास्तव में गुरू वे ही होते हैं, जो समय पर अनुयायियों को गिरने से बचा लें। स्वामी रामदास ने वहां काम करने वालों को आदेश दिया कि एक बड़ी चट्टान को तोड़ो। उनकी आज्ञा से चट्टान तोड़ी गई। भीतर पानी और मेढक निकले। रामदास ने पूछा - शिवाजी ! इनका लालन-पालन कौन करता है?

शिवाजी - इनका पोषण प्रकृति से होता है, करता कोई नहीं।

रामदासजी- और इन मजदूरों का जीवन किससे चलता है?

शिवाजी ने गुरू के पैर पकड़ लिए और बोले- गुरुदेव! आपने मुझे बचा लिया। आपने मेरे अभिमान को चूर-चूर कर सही रास्ता दिखा दिया। ये सब अपने पुरूषार्थ से जीते हैं। मेरा अहं झूठा था, मैं किसका पालन कर सकता हूं? कहने का अर्थ यह है कि मनुष्य प्रामाणिकता और चरित्र-निष्ठा से काम करे, पर मिथ्या अभिमान न करे। कुछ लोग सोचते हैं-हम ही सब कुछ करने वाले हैं। हम जमीन-आसमान एक कर देंगे। यही अहं भाव व्यक्ति को आगे नहीं बढ़ने देता।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी अराजकता भारत के लिए खतरा

मनोज कुमार अग्रवाल

शेख हसीना की सरकार के खिलाफ उपद्रव के बाद से बांग्लादेश पिछले करीब डेढ़ साल से अराजकता और धर्मांधता की आग में गंभीर रूप से झुलस रहा है। इन दिनों में शायद ही कोई ऐसा महीना होगा, जब यहां हिंसा ना भड़की हो। शेख हसीना की सरकार गिराने के बाद देश में शांति लाने का वादा करने वाली मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हिंसा रोकने में नाकाम रही। हसीना सरकार के विरोध में हिंसक आंदोलन चलाने वाले छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में एक बार फिर आग भड़क गई। इस दौरान ढाका के पास भालुका में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। युवक के शव को नग्न करके पेड़ से लटका कर आग लगा दी गई। मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है। उपद्रवियों ने देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम आलो के ऑफिस में भी घुसकर तोड़फोड़ और आग लगा दी। भारतीय राजनयिक परिसरों और उनके घरों पर हमले किए गए हैं। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास में तोड़?फोड़ की गई। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के ऑफिस को भी जला दिया गया है। भारत के पड़ोस में धधकती यह अराजकता की आग लगातार चुनौती बढ़ा रही है। देशभर में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। यहां इस समय एक अलग ही किस्म का पागलपन भी चल रहा है। इस पागलपन के तहत बांग्लादेश में एक वीडियो वायरल है, जिसमें सिराजुद्दौला साम्राज्य की फिर से स्थापना का ख्वाब दिखाया जा रहा है, जिसमें भारत के कई हिस्से शामिल हैं। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या बांग्लादेश वास्तव में सांप्रदायिक संक्रमण की ओर बढ़ रहा है या फिर सुनियोजित अस्थिरता के जाल में फंसता जा रहा है। दरअसल, मोहम्मद यूनुस असल में मोहम्मद अली जिन्ना की विचारधारा पर चल रहे हैं और उन्होंने बांग्लादेश में पाकिस्तान मॉडल लागू कर दिया। यह भारत के लिए भी चिंतनीय है। बांग्लादेश को लेकर भारत के सामने 1971 के बाद सबसे बड़ा रणनीतिक और राजनयिक संकट खड़ा हुआ है। यह चिंता विदेश मामलों पर संसद की समिति ने अपनी रिपोर्ट में जाहिर की है। कई मायनों में देखा जाए तो अभी बांग्लादेश में जिस तरह के हालात बन चुके हैं, उतनी बुरी स्थिति का सामना भारत को शायद बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन के दौरान भी नहीं करना पड़ा था। आपको बता दें बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में जो भी हुआ, उससे साफ है कि अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के हाथ से चीजें निकलती जा रही हैं। जिन कट्टरपंथियों को उन्होंने शुरू में बढ़ावा दिया था, अब वे ही उनके काबू में नहीं हैं। उनकी भारत विरोधी नीतियों ने दोनों देशों के रिश्तों को सबसे खराब दौर में पहुंचा दिया है। शेख हसीना के खिलाफ पिछले साल जुलाई में आंदोलन शुरू हुआ था। अगस्त में उन्हें सत्ता से हटाया गया और तब से ढाका का रुख भारत के खिलाफ बना हुआ है। मौजूदा घटनाक्रम उसी की कड़ी है, जहां पहले भारतीय राजदूत को तलब किया गया और फिर दूतावास तक आक्रामक मार्च निकाला गया। इन घटनाओं ने बांग्लादेश में मौजूद भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अंतरिम सरकार समस्या को संबोधित भी नहीं करना चाहती। होना तो यह चाहिए था कि भारत ने जब बांग्लादेश के उच्चायुक्त को बुलाकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं, तो ढाका से कोई आश्वासन भरा सकारात्मक संदेश आता। लेकिन, इसके उलट भारत विरोधी बयानबाजी और तेज हो गई। जिस तरह से पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर बयान दिए जा रहे हैं, उसे कोई भी संप्रभु देश बर्दाश्त नहीं कर सकता। यूनुस सरकार का अपनी नाकामियों का ठीकरा भारत पर फोड़ना हकीकत की अनदेखी है और इससे स्थिति और बिगड़ेगी। सच यही है कि हसीना विरोधी आंदोलन आगे चलकर कट्टरपंथी तत्वों के नियंत्रण में आ गया। इसका सबूत अगस्त 2024 के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुई हजारों हिंसक घटनाएं हैं। अगले साल फरवरी में चुनाव की घोषणा होने के बाद से अपराध और बढ़ा है। बांग्लादेश की अस्थिरता भारत पर सीधा असर डालती है और इस नाते उसकी चिंता स्वाभाविक है। बल्कि यूरोपीय यूनियन और अमेरिका भी बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघनों का मामला उठा चुके हैं। अंतरिम सरकार पर अपने ही देश के भीतर निष्पक्ष चुनाव कराने का जबरदस्त दबाव है। पिछले महीने शेख हसीना को जिए तर सुनवाई का मौका दिए बिना सजा सुनाई गई,आलोचना हो रही है। यूनुस सरकार के जुलाई चार्टर को लेकर भी मतभेद हैं। इस चार्टर के जरिये 2024 के आंदोलन को संवैधानिक मान्यता देनी है और संविधान में कई बदलाव किए जाने हैं।

राम वी. सुतार के हाथों में आकर पत्थर बोल उठते थे

ललित गर्ग

राम वी. सुतार का शतायु जीवन केवल वर्षों की गणना नहीं था, वह भारतीय मूर्ति-कला की सदियों लंबी साधना का सजीव विस्तार था। सौ वर्ष की उम्र में उनका जाना ऐसा है जैसे पत्थर बोलने वाली भाषा का कोई मौन हो जाना, जैसे हथौड़े और छैनी के बीच जन्म लेने वाली संवेदनाओं का विराम। वे उन विरले कलाकारों में थे जिनके हाथों में पत्थर, धातु और कांस्य केवल पदार्थ नहीं रहते थे, वे चेतना बन जाते थे। आकृतियां नहीं गढ़ी जाती थीं, जीवन प्रकट होता था। उनके स्पर्श से निर्जीव सजीव हो उठता था और शिल्प अपने भीतर मनुष्य की धड़कनें समेट लेता था। राम वी. सुतार केवल महान मूर्तिकार नहीं थे, वे एक दर्शन थे। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण था कि कला केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि मनुष्यता का विस्तार होती है। उन्होंने जब किसी महापुरुष की प्रतिमा गढ़ी, तो केवल चेहरे की रेखाएं नहीं उकेरीं, उस व्यक्तित्व के भीतर छिपे संघर्ष, संकल्प, करुणा और दृष्टि को आकार दिया। यही कारण है कि उनकी बनाई मूर्तियां देखने वाले को देखती हैं, मौन होकर भी संवाद करती हैं और समय की सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं।

स्टैचू ऑफ यूनिटी आज विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के रूप में खड़ी है, पर उसकी ऊंचाई केवल फीट और मीटर में नहीं मापी जानी चाहिए। उसमें सरदार पटेल की लौह इच्छाशक्ति के साथ-साथ राम वी. सुतार की तपस्या, धैर्य और अंतर्दृष्टि समाहित है। यह प्रतिमा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय मूर्ति-कला की सामर्थ्य का वैश्विक घोष है। संसद परिसर में स्थापित गांधी प्रतिमा हो या देश-विदेश में फैली अनगिनत मूर्तियां, हर जगह उनकी कला ने इतिहास को वर्तमान से जोड़ा है और वर्तमान को भविष्य के लिए अर्थवान बनाया है। उनके हाथों में पत्थर बोलने लगते थे, पर उनके हृदय में मनुष्य बोलता था। वे जानते थे कि किसी नेता, संत या विचारक की प्रतिमा बनाते समय केवल शारीरिक समानता पर्याप्त नहीं होती। वहां आत्मा की समानता चाहिए। इसलिए वे पहले उस व्यक्तित्व को पढ़ते थे, समझते थे, आत्मसात करते थे। उनकी साधना में अध्ययन, ध्यान और संवेदना का अद्भुत संगम था। शायद यही कारण था कि उनकी कारीगरी में बारीकी के साथ-साथ एक ऐसी जीवंतता थी जो दर्शक को भीतर तक छू लेती थी।

राम सुतार जी एक सौ एक साल के थे और उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र में धूलिया जिले के गोन्दुर गाँव में एक गरीब परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम राम वनजी सुतार था। वे भारत के सुप्रसिद्ध शिल्पकार थे। उनके द्वारा बनाई गईं महात्मा गांधी की प्रतिमाएं अब तक विश्व के तीन सौ से अधिक शहरों में लग चुकी हैं। उनके कलात्मक एवं अनूठे शिल्प साधना को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1999 में पद्मश्री और 2016 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। अक्टूबर 2018 में, सुतार को 2016 के सांस्कृतिक सद्भाव के लिए टैगोर पुरस्कार मिला। उनके पिता वनजी हंसराज जाति व कर्म से बढ़ई थे। राम सुतार का विवाह 1952 में प्रमिला के साथ हुआ। जिनसे उन्हें 1957 में एकमात्र पुत्र अनिल राम सुतार हुआ, जो पेशे से वास्तुकार हैं परन्तु अब वह भी नोएडा स्थित अपने पिता के स्टूडियो व कार्यशाला की देखरेख का कार्य करते हैं।

राम वी. सुतार का जीवन सादगी का पर्याय था। इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उनमें कोई दर्प नहीं था। वे शिल्प के साधक थे, शोर के नहीं। उनका कार्य बोलता था, वे स्वयं मौन में रहकर भी सब कुछ कह जाते थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्ची महानता प्रचार की मोहताज नहीं होती। वह अपने आप में पूर्ण होती है और समय उसे पहचान ही लेता है। उनकी कला में भारतीय परंपरा की गहरी जड़ें थीं, पर दृष्टि पूरी तरह आधुनिक और वैश्विक थी। वे अतीत से प्रेरणा लेते थे, वर्तमान की जरूरतों को समझते थे और भविष्य के लिए रूप गढ़ते थे। यही कारण है कि उनकी मूर्तियां किसी एक काल में बंद नहीं होतीं। वे हर युग में प्रासंगिक लगती हैं। उनमें इतिहास की गरिमा है, वर्तमान की चेतना है और भविष्य की उम्मीद भी।

राम सुतार अपने गुरु रामकृष्ण जोशी से प्रेरणा लेकर मुम्बई गये, जहाँ उन्होंने जे०जे०स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला लिया। 1953 में इसी स्कूल से मॉडलिंग में उन्होंने सर्वोच्च अंक अर्जित करते हुए मेयो गोल्ड मेडल हासिल किया। मॉडलर के रूप में औरंगाबाद के आर्कियोलोजी विभाग में रहते हुए राम सुतार ने 1954 से 1958 तक अजन्ता व एलोरा की प्राचीन गुफाओं में मूर्तियों के पुनर्स्थापन का कार्य किया। 1958-1959 में वह सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के दृश्य श्रव्य विभाग में तकनीकी सहायक भी रहे। 1959 में उन्होंने अपनी मर्जी से सरकारी नौकरी त्याग दी और पेशेवर मूर्तिकार बन गये। इन दिनों वह अपने परिवार के साथ नोएडा में निवास करते थे। राम सुतार ने वैसे तो बहुत-सी मूर्तियाँ बनायीं है, किन्तु उनमें से कुछ उल्लेखनीय मूर्तियों में 45 फुट ऊँची चम्बल देवी की मूर्ति गंगासागर बाँध, 17 फुट ऊँची मोहनदास कर्मचन्द गाँधी की मूर्ति गाँधीनगर, गुजरात, 21 फुट ऊँची महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति अमृतसर, 18 फुट ऊँची सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति संसद भवन, नई दिल्ली, 9 फुट ऊँची भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति जम्मू, भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा की आवक्ष प्रतिमा, ब्रह्म सरोवर में कृष्ण अर्जुन रथ स्मारक कांस्य प्रतिमा आदि हैं। गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्न राम सुतार के अद्भुत कला-कौशल का नमूना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है जिसने देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भारतीय कला परंपरा का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी बनाई मूर्तियां आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के महापुरुषों से जोड़ती रहेंगी। अनेक राजनेताओं, कलाकारों और विचारकों ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए स्वीकार किया कि राम वी. सुतार का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का अवसान है। पर शायद स्वयं राम वी. सुतार इस तरह की श्रद्धांजलियों से अधिक अपने काम में विश्वास रखते थे। उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान यही था कि कोई उनकी बनाई मूर्ति के सामने खड़ा होकर कुछ क्षण मौन में डूब जाए, कुछ सोचने लगे, कुछ महसूस करने लगे। उन्होंने जीवन को भी उतना ही जीवंत बनाया जितना अपनी कला को। उनका व्यक्तित्व सहज, सरल और आत्मीय था। वे जहां भी गए, वहां प्रेरणा का एक शांत स्रोत बन गए। राम सुतार का जीवन शिल्प एवं कला की पाठशाला था, जिसमें उन्होंने यह भी सिखाया कि कला केवल तकनीक नहीं, साधना है। छैनी चलाने से पहले मन को तराशना पड़ता है। दृष्टि को निर्मल करना पड़ता है। शायद यही कारण था कि उनकी शतायु यात्रा के अंतिम क्षण तक उनकी सृजनात्मक ऊर्जा बनी रही। उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी, कला के प्रति उनकी जिजीविषा कभी वृद्ध नहीं हुई। आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो यह विदाई वास्तव में विदाई नहीं है। वे अपनी मूर्तियों में, अपने शिल्प में, अपनी संवेदनाओं में सदा उपस्थित रहेंगे। जब भी संसद परिसर में गांधी की प्रतिमा के सामने कोई सिर झुकाएगा, जब भी स्टैचू ऑफ यूनिटी के साये में कोई राष्ट्र की एकता को महसूस करेगा, राम वी. सुतार वहां होंगे। पत्थर के भीतर धड़कते हृदय की तरह, मौन में बोलती चेतना की तरह। उनका जीवन इस बात की साक्षी है कि एक साधारण मनुष्य भी अपनी साधना, संकल्प और संवेदना के बल पर महामानव बन सकता है। उन्होंने पत्थर को जीवन दिया, पर उससे भी बड़ा कार्य उन्होंने यह किया कि जीवन को अर्थ दिया। भारतीय मूर्ति-कला के इस शीर्ष पुरुष को विनम्र श्रद्धांजलि। उनका जाना हमें शून्य नहीं देता, बल्कि एक विराट उत्तरदायित्व सौंपता है कि हम कला, संस्कृति और मनुष्यता के इस दीप को बुझने न दें।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में आम चुनाव कानून में संशोधन, जारी हुआ अध्यादेश

काठमांडू, एजेंसी। पाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को आम चुनाव से जुड़े प्रावधानों में संशोधन के लिए एक अध्यादेश जारी किया। यह अध्यादेश प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर लाया गया है। इससे पहले 12 सितंबर को राष्ट्रपति पौडेल ने प्रतिनिधि सभा चुनाव की तारीख 5 मार्च 2026 घोषित की थी। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, प्रतिनिधि सभा चुनाव (पहला संशोधन) अध्यादेश का उद्देश्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत सीटों के आवंटन को वर्ष 2021 की नवीनतम जनगणना के आधार पर तय करना है। 2021 की जनगणना के मुताबिक, नेपाल की कुल जनसंख्या 2 करोड़ 91 लाख 64 हजार 578 है।

पलमायरा में हुए हमले को आईएस ने बताया गंभीर चोट

पलमायरा, एजेंसी। इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अपने टेलीग्राम चैनल पर सीरिया के प्राचीन शहर पलमायरा में अमेरिकी पेंटागन कर्मियों की मौत को अमेरिका और उसके समर्थित सीरियाई गुटों पर चोट बताया है। बीते शनिवार एक हमलावर ने अमेरिकी और सीरियाई बलों के काफिले को निशाना बनाया था। इसमें दो अमेरिकी सैनिक और एक दुभाषिया मारे गए थे, जबकि तीन सैनिक घायल हुए। हमलावर को मौके पर ही मार दिया गया।

ब्राजील संसद ने बोलसोनोरो के बेटे एडुआर्डो को पद से हटाया

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील की संसद ने पूर्व राष्ट्रपति जाइर बोलसोनारो को बड़ा झटका देते हुए उनके बेटे एडुआर्डो बोलसोनारो और पूर्व खुफिया प्रमुख अलेक्जांद्रे रामाजेम को सांसद पद से हटा दिया। हाउस स्पीकर ह्यूगो मोट्टा के जारी आदेश संसद के जर्नल में प्रकाशित किया गया। एडुआर्डो बोलसोनारो फरवरी में टेक्सास जाने के बाद से इस साल 80 फीसदी से अधिक सत्रों में अनुपस्थित रहे, जो सदन के नियमों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन है। वह खुद को राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार बताते हुए अमेरिका में ट्रंप प्रशासन से अपने पिता की सजा बदलवाने की कोशिश करते रहे हैं।

गाजा में इस्राइली गोलीबारी, बच्चे समेत 5 फलस्तीनी मारे गए; युद्धविराम पर फिर संकट

गाजा , एजेंसी। गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्से में शुक्रवार को इस्राइली सेना की गोलीबारी में कम से कम पांच फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें एक नवजात बच्चा भी शामिल है। स्थानीय अस्पताल के अनुसार यह घटना गाजा सिटी के पूर्वी इलाके तुफ्फाह में हुई, जहां घायल और मृतकों को शिफा अस्पताल लाया गया। शिफा अस्पताल के निदेशक रामी महन्ना ने बताया कि गोलीबारी में पांच लोगों की जान चली गई। वहीं इस्राइली सेना का कहना है कि उसके जवानों ने येलो लाइन के पश्चिम में कुछ संदिग्ध लोगों की पहचान की थी, जिसके बाद फायरिंग की गई। सेना ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंचने पर उसे खेद है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 70 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें करीब आधे महिलाएं और बच्चे हैं। हालांकि मंत्रालय लड़ाकों और आम नागरिकों में अलग-अलग आंकड़े नहीं देता। अंतरराष्ट्रीय समुदाय आमतौर पर उसके आंकड़ों को विश्वसनीय मानता है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य-पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ ने गाजा युद्धविराम को आगे बढ़ाने के लिए मध्य-पूर्वी देशों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की योजना बनाई है। बातचीत का मकसद युद्धविराम के दूसरे और ज्यादा जटिल चरण को आगे बढ़ाना बताया जा रहा है।

भीख मांगने पर हजारों पाकिस्तानी निर्वासित

इस्लामाबाद, एजेंसी। भीख मांगने के आरोप में हजारों पाकिस्तानियों को विभिन्न देशों से निर्वासित किया गया है, जबकि इस साल हजारों लोगों को हवाई अड्डों पर अवैध यात्रा के संदेह में रोका गया। आगा रफीउल्लाह की अध्यक्षता में ओवरसीज के सत्र में एफआईए महानिदेशक ने प्रवर्तन कार्रवाइयों पर कहा, इस साल सऊदी अरब ने भीख मांगने के आरोप में 24000 लोगों को वापस भेजा।

सिंगापुर से बांग्लादेश लाया गया उस्मान हादी का शव, अंतिम संस्कार भी बन गया बड़ी चुनौती

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के नेता उस्मान हादी की मौत के बाद से ही बांग्लादेश जल रहा है। कानून व्यवस्था की चुनौती के बीच शुक्रवार को उस्मान हादी का शव सिंगापुर से ढाका लागा गया है। शनिवार को ही उस्मान हादी को सुपुर्द-ए-खाक किया जा सकता है। हालांकि बांग्लादेश की सरकार के लिए यह बड़ी चुनौती है। देश में आक्रोश अभी थमा नहीं है और उपद्रव का आशंका बनी हुई है। युवा नेता शरीफ उस्मान हादी को छह दिन पहले गोली मार दी गयी थी। वह जुलाई में सरकार के विरूद्ध हुए हिंसक प्रदर्शनों में एक प्रमुख चेहरा थे।

पुलिस के अनुसार, हादी का शव सिंगापुर से ढाका पहुंचने के कुछ ही समय बाद, कथित कट्टरपंथी दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने राजधानी में वामपंथी विचारधारा वाली उदिची शिल्पीगोष्ठी के मुख्य कार्यालय में आग लगा दी। दमकल कर्मियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। उदिची के कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में पुलिस, बीजीबी और सेना के जवान तैनात हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में गुरुवार रात हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई जिनमें चट्टगांव में भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर पथराव भी शामिल है। ये घटनाएं मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस द्वारा टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए हादी की मौत की पुष्टि करने के बाद हुईं।

कड़ी सुरक्षा के बीच लाया गया शव : इंकलाब मंच के प्रवक्ता हादी का शव कड़ी सुरक्षा और व्यापक जन शोक के बीच विमान बांग्लादेश एयरलाइंस की उड़ान से स्थानीय समयानुसार शाम लगभग छह बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचएसआईए) पर लाया गया। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने बिमान के महाप्रबंधक (जनसंपर्क) बोशरा इस्लाम के हवाले से दी। एजेंसी के अनुसार, हादी के शव को हवाई अड्डे से बाहर ले जाते समय सुरक्षा बनाए रखने के लिए बांग्लादेश सेना, सशस्त्र बल बटालियन (एएफबी) और पुलिस के सदस्यों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया था। बीएसएस ने बताया कि सिंगापुर जनरल अस्पताल में हादी की मौत से राजनीतिक हलकों, इंकलाब मंच के कार्यकर्ताओं और आम जनता में व्यापक शोक की लहर दौड़ गई।

युनूस ने शनिवार को एक दिन की राजकीय शोक की घोषणा की है। मुख्य सलाहकार की प्रेस शाखा के अनुसार, हादी की जनाजे की नमाज शनिवार को दोपहर दो बजे संसद के साउथ प्लाजा में अदा की जाएगी। उसमें शामिल होने के इच्छुक लोगों से विशेष अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ कोई बैग या भारी सामान न लाएं। इंकलाब मंच ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''परिवार की इच्छा के अनुसार, हादी को राष्ट्रीय कवि काजी नजरुल इस्लाम

की कब्र के बगल में दफनाने का फैसला लिया गया है। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि शव को सार्वजनिक रूप से देखने की अनुमति नहीं होगी। उसने लोगों से शांति बनाए रखते हुए हादी के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया। गुरुवार को युनूस की घोषणा के शीघ्र बाद प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख समाचार पत्रों के कार्यालयों पर हमला किया, 32 धानमंडी में तोड़-फोड़ की और राजशाही सिटी में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की भंग हो चुकी पार्टी आवामी लीग के एक कार्यालय को भी ध्वस्त कर दिया। बांग्लादेश की स्वतंत्रता से पहले, दशकों तक स्वाधीनता के लिए संघर्ष का केंद्र रहे 32 धानमंडी को इस साल पांच फरवरी को बुल्डोजरों से ध्वस्त कर दिया गया था। इससे पहले पांच अगस्त 2024 को उस समय की आवामी लीग सरकार के पतन के बाद मुजीबुर्रहमान के आवास को आग भी लगा दी गई थी। चट्टगांव में प्रदर्शनकारियों ने भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर बृहस्पतिवार और शुक्रवार देर रात 1:30 बजे पथराव भी किया। हालांकि इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस छोड़ी एवं लाठीचार्ज किया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने सहायक उच्चायुक्त की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। ढाका में, प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सांस्कृतिक समूह 'छाया नाट' के कार्यालय पर हमला किया और फर्नीचर बाहर निकाल कर आग लगा दी। देश के अन्य हिस्सों से भी हिंसा की खबरें हैं। मैमनसिंह में ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई और उसके शव को आग लगा दी गई। 'बांग्ला ट्रिब्यून' समाचार पोर्टल के अनुसार मृत व्यक्ति की पहचान दीपू चंद्र दास (25) के रूप में हुई, जो मैमनसिंह शहर में एक कारखाने में काम करते थे। अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। बयान में कहा गया, 'इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।' स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिखाया गया कि सिंगापुर से विमान के ढाका में उतरने के बाद हादी के समर्थक हवाई अड्डे से शाहबाग तक सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े थे।

उनके पार्थिव शरीर को ढाका विश्वविद्यालय की केंद्रीय मस्जिद में सार्वजनिक सभा के लिए ले जाया जाना था। पिछले सप्ताह ढाका के बिजोयनगर इलाके में अपना चुनाव प्रचार शुरू करते समय हादी को नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। छह दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। गुरुवार रात को, जुलाई विद्रोह का नेतृत्व करने वाले और हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बेदखल करने वाले 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी)' के एक बड़े सहयोगी संगठन, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने ढाका विश्वविद्यालय परिसर में शोक जुलूस में भाग लिया। इस समूह के समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लगाते हुए आरोप लगाया कि हादी के हमलावर हत्या करने के बाद भारत भाग गए।

नेपाल : राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने रिहा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सभापति रवि लामिछाने शुक्रवार शाम रुपनदेही जिला अदालत से जमानत पर रिहा हो गए। तुलसीपुर हाईकोर्ट के आदेश पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए वह शाम 5:37 बजे अदालत पहुंचे। अदालत के सूचना अधिकारी पदम अर्याल ने बताया, बुटवल पीठ के आदेशानुसार कुछ शर्तों और बैंक जमानत के कागजात जमा करने के बाद उन्हें रिहा किया गया। लामिछाने बुटवल स्थित सुप्रीम सहकारी संस्था से जुड़े ठगी और संगठित अपराध के मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद थे। उन्हें 2.74 करोड़ रुपये की जमानत राशि जमा करने के बाद रिहाई मिली।

भ्रष्टाचार मामले में पूर्व पीएम इमरान खान और पत्नी बुशरा बीबी को 17-17 साल की जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को दोषी ठहराते हुए दोनों को 17-17 साल की सजा सुनाई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला लंबे समय से चल रहे केस में सुनाया गया है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत अब स्थिर

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन खालिदा जिया की स्वास्थ्य स्थिति अब अधिक स्थिर है। उनकी निजी चिकित्सक एजेडएम जाहिद हुसैन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी हालत में अब कोई गिरावट नहीं आई है। खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर हॉस्पिटल में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उपचाराधीन हैं और बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। 11 दिसंबर को उन्हें फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था।

डॉक्टर हुसैन ने कहा कि पिछले महीने में उनकी शारीरिक स्थिति काफी स्थिर रही है। शुक्रवार को उनका एक छोटा चिकित्सीय उपचार भी सफलतापूर्वक

किया गया, जिसे उन्होंने आसानी से स्वीकार कर लिया। उनके बेटे और बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तरीक रहमान 25 दिसंबर को लंदन से लौटेंगे, जिससे उनके 17 वर्षों के स्वदेश से निर्वासन का अंत होगा।

पाकिस्तान में फिर आतंकी हमला, सुसाइड बॉम्बर ने मिलिट्री पोस्ट को उड़ाया; 4 सैनिक मरे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके उत्तर वजीरिस्तान में शुक्रवार को एक बड़ा आतंकी हमला हुआ। सुसाइड कार बॉम्बर और तीन बंदूकधारियों ने एक गांव के पास स्थित सैन्य चौकी पर हमला किया, जिसके बाद घंटों चली गोलीबारी में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इस हमले में कम से कम 15 नागरिक घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना और स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह इलाका खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आता है, जो अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है और अतीत में पाकिस्तानी तालिबान तथा अन्य उग्रवादी संगठनों का गढ़ रहा है। पुलिस ने बताया कि धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के कई मकान ढह गए, जिससे स्थानीय नागरिकों को गंभीर चोटें आईं। सेना के बयान में कहा गया कि सभी हमलावरों को सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। सेना के मुताबिक, हमलावरों ने पहले चौकी की सुरक्षा घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दिया। इस विस्फोट से पास के घरों और एक मस्जिद को भी नुकसान पहुंचा। हालांकि किसी भी संगठन ने तुरंत हमले की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने इस हमले के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया है। सेना का दावा है कि इस हमले की योजना अफगान सीमा के उस पार बनाई गई और वहीं से इसे निर्देशित किया गया। इस पर अफगानिस्तान की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। अफगान तालिबान लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि वे किसी भी देश के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देते, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के तालिबान शासक अपने क्षेत्र से आतंकियों को पाकिस्तान पर हमले करने से रोकेंगे। साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान को आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित है। हमले के कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय सक्रिय हुआ। मंत्रालय ने इस्लामाबाद में अफगान तालिबान के उप-मिशन प्रमुख को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने अफगान भूमि से संचालित आतंकवादी हमलों के दोषियों और मददगारों के खिलाफ पूर्ण जांच और निर्णायक कार्रवाई की मांग की है। बयान में यह भी कहा गया कि अफगान तालिबान से यह अपेक्षा की गई है कि वह अपने क्षेत्र में सक्रिय सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस, तत्काल और सत्यापन योग्य कदम उठाए तथा पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के लिए अफगान जमीन के इस्तेमाल को पूरी तरह रोके। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव हाल के महीनों में बढ़ा है। अक्टूबर में सीमा पर झड़पें हुई थीं, जब काबुल में 9 अक्टूबर को हुए विस्फोटों के लिए अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया था। बाद में कतर की मध्यस्थता से युद्धविराम तो हुआ, लेकिन नवंबर में तुर्की में हुई बातचीत में दोनों देश किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंच सके।

ताइवान में भीड़ पर चाकू से हमला, 4 लोगों की मौत कई घायल

ताइपे , एजेंसी। ताइवान की राजधानी ताइपे में शुक्रवार को एक युवक ने भीड़ भरे इलाके में लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हमलावर ने लोगों में डर फैलाने के लिए स्मोक ग्रेनेड भी फेंके। यह हमला ताइपे मेन स्टेशन से शुरू हुआ, जो शहर का सबसे व्यस्त रेलवे और मेट्रो स्टेशन है। शाम के समय जब वहां बहुत भीड़ थी, तभी युवक ने स्टेशन के अंदर स्मोक बम फेंका और फिर पास के झोंगशान इलाके की ओर भाग गया। वहां उसने सड़क और एक शॉपिंग मॉल में लोगों पर चाकू से हमला किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हर तरफ धुआं और अफरा-तफरी मच गई थी। लोग जान बचाकर इधर-उधर भाग रहे थे। पास की दुकानों और रेस्टोरेंट में लोग छिप गए। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि माहौल बहुत डरावना था और

सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने हमलावर का पीछा किया। इसी दौरान वह एक इमारत से गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ताइपे के मेयर ने बताया कि मरने वालों में से एक व्यक्ति ने स्टेशन के अंदर हमलावर को रोकने की कोशिश की थी। पुलिस के मुताबिक हमलावर 27 साल का था और ताओयुआन इलाके का रहने वाला था। वह पहले वायुसेना में काम कर चुका था, लेकिन 2022 में उसे नौकरी से हटा दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि उसके खिलाफ पहले से कुछ मामले दर्ज थे। हमले के पीछे उसका मकसद अभी साफ नहीं हो पाया है।

अमेरिका का सीरिया में 'ऑपरेशन हॉकआई':70 से ज्यादा आईएसआईएस ठिकाने तबाह किए

दमिश्क, एजेंसी। अमेरिका ने शुक्रवार को सीरिया में आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े 70 ठिकानों पर हवाई हमले कर उन्हें तबाह कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने सीएनएन को बताया कि यह कार्रवाई हाल ही में हुए उस हमले के जवाब में की गई जिसमें सीरिया में तैनात अमेरिका के दो सैनिक और एक ट्रांसलेटर मारे गए थे। इस मिलिट्री ऑपरेशन को 'ऑपरेशन हॉकआई' नाम दिया गया है। यह नाम इसलिए रखा गया क्योंकि मारे गए सैनिक अमेरिका के आयोवा राज्य से थे, जिसे 'हॉकआई स्टेट' कहा जाता है। अधिकारियों के मुताबिक जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया उनमें आतंकियों के ठहरने की जगह, हथियार रखने के गोदाम और दूसरी जगह शामिल हैं। ट्रम्प ने हमले पर रिएक्शन देते हुए कहा कि उन्होंने अपना वादा पूरा किया।

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- ये बदले की कार्रवाई है : अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इन हमलों को बदले की कार्रवाई बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि यह किसी नए युद्ध की शुरुआत नहीं है, बल्कि उन लोगों के खिलाफ जवाब है जिन्होंने अमेरिकी सैनिकों को मारा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की लीडरशिप में अमेरिका अपने लोगों की रक्षा से कभी पीछे नहीं हटेगा। यह पूरा मामला 13 दिसंबर को शुरू हुआ, जब सीरिया में एक हमले में अमेरिका के दो सैनिक और उनके साथ काम कर रहा एक लोकल ट्रांसलेटर मारा गया था। इसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने कई छोटे ऑपरेशन चलाए, जिनमें करीब 23 लोगों को मार गिराया गया या गिरफ्तार किया गया। इन ऑपरेशन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामान से अहम जानकारियां मिलीं, जिनके आधार पर अब यह बड़ा हवाई हमला किया गया।

ट्रम्प बोले- अमेरिका हमलावरों को जवाब दे रहा : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि सीरिया में अमेरिकी सैनिकों की हत्या के बाद अब अमेरिका आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है। ट्रम्प ने बताया कि इस हफ्ते मारे गए बहादुर सैनिकों के शव पूरे सम्मान के साथ अमेरिका लाए गए और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने जो वादा किया था, उसे पूरा करते हुए अमेरिका अब उन आतंकियों को करारा जवाब दे रहा है, जो इस हमले के जिम्मेदार हैं।? अमेरिकी सेना सीरिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर हमला कर रही है। ट्रम्प ने कहा कि सीरिया ने लंबे समय से बहुत खून-खराबा और हिंसा देखी है।

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल में सबसे बड़ा खुलासा:लड़कियों के साथ हॉट-टब में नहाते दिखे क्लिंटन

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच के तहत शुक्रवार रात ढाई बजे (भारतीय समय के मुताबिक) तीन लाख दस्तावेज जारी कर दिए हैं। इनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप सिंगर माइकल जैक्सन, हॉलीवुड एक्टर क्रिस टकर, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू जैसे दिग्गजों की तस्वीरें सामने आई हैं। कुछ फोटोज में क्लिंटन लड़कियों के साथ पूल में नहाते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। पहले ये सभी तस्वीरें 4 सेट में जारी की गईं। इसके कुछ घंटे बाद 1 और सेट जारी किया गया।

इसमें कुल मिलाकर 3,500 से अधिक फाइलें हैं, जिनमें 2.5 जीबी से ज्यादा तस्वीरें और दस्तावेज शामिल हैं। हालांकि कई तस्वीरों में यह साफ नहीं है कि ये कहां ली गई हैं। इन खुलासों का असर कितना बड़ा होगा, यह अभी साफ नहीं है। वजह यह है कि दस्तावेजों की संख्या बहुत ज्यादा है और एपस्टीन से जुड़ी काफी तस्वीरें पहले भी सामने आ चुकी है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने यह भी कहा है कि कुछ दस्तावेज अभी रोके गए हैं, क्योंकि कुछ जांचें चल रही हैं या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कारण हैं।

जेफ्री एपस्टीन एक फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 नवंबर को कानून पर दस्तखत कर एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को 30 दिन के भीतर जारी करने का आदेश दिया था।

ट्रम्प के आदेश पर जारी हुए दस्तावेज : जेफ्री एपस्टीन एक यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 नवंबर को कानून पर दस्तखत कर एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को 30 दिन के भीतर जारी करने का आदेश दिया था। 19 दिसंबर तक 30 दिन की समय सीमा पूरी हो गई।

एपस्टीन पीड़ित का आरोप- न्याय विभाग खुद को बचा रहा : जेफ्री एपस्टीन की एक पीड़िता लीसा फिलिप्स ने अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लीसा फिलिप्स ने बताया कि जब उनकी उम्र 20 के आसपास थी, तब उनकी मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। इसके बाद उन्हें एपस्टीन और उसके नेटवर्क से जुड़े लोगों की ओर से सालों तक शोषण झेलना पड़ा। सीएनएन की पत्रकार कैटलिन कॉलिन्स से बातचीत में लीसा फिलिप्स ने कहा कि एपस्टीन फाइल्स के कई हिस्सों को काला (रैडैक्ट) करके जारी किया गया है। लीसा के मुताबिक कि न्याय विभाग पीड़ितों के बजाय खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है। लीसा ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास इतनी जानकारी है, जिससे सारी कड़ी जोड़ी जा सकती हैं और पीड़ितों को न्याय मिल सकता है। लेकिन जैसा आप देख रहे हैं, मामला बार-बार टाला जा रहा है। एपस्टीन फाइल्स को लेकर अटॉर्नी जनरल पर महाभियोग की तैयारी भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। रो खन्ना ने एपस्टीन फाइल्स से जुड़े उस कानून को तौर पर तैयार किया था, जिसके तहत सभी फाइलें सार्वजनिक की जानी थीं। खन्ना का आरोप है कि न्याय विभाग ने कानून के बावजूद एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइलें जारी नहीं कीं। उन्होंने कहा कि जो दस्तावेज आज जारी किए गए हैं, उनसे वह निराश हैं। पीड़ित बोली- जारी किए गए फाइल्स काफी हैवी, सर्च करना मुश्किल एपस्टीन की शुरुआती पीड़ितों में से एक जेस माइकल्स ने कहा, 'न्याय विभाग फाइल जारी करने में भ्रष्टाचार और देरी से साबित कर रहे हैं कि वो कुछ छुपा रहे हैं।' जेस माइकल्स ने बताया कि 1991 में जब वे 22 साल की थीं और डांसर बनने की ट्रेनिंग ले रही थीं, तब एपस्टीन ने उनका यौन शोषण किया था। वे उन पीड़ितों में शामिल थीं जिन्होंने द्विदलीय कानून के लिए लॉबी की थी। इसके तहत न्याय विभाग को एपस्टीन और उसकी मुख्य साथी मैक्सवेल की सेक्स तस्करी जांच की लगभग सभी फाइलें जारी करनी थीं। लेकिन शुक्रवार को जारी 13,000 से ज्यादा फाइलें काफी हैवी है और आसानी से सर्च नहीं की जा सकतीं। एक अन्य पीड़िता मारीजके चार्टोनी ने कहा, 'सब कुछ एडिट कर दिया गया है, तो पारदर्शिता कहां है?' उन्होंने बताया कि 20 साल की उम्र में एपस्टीन ने उनका यौन शोषण किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर एशेज सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल की

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां खेले गये तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने पास बरकरार रखी है। मैच के अंतिम दिन छह विकेट पर 207 रनों से आगे खेलते हुए इंग्लैंड टीम अपनी दूसरी पारी में 352 रनों पर ही आउट हो गयी जबकि उसे जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य मिला था। इस प्रकार मेहमान टीम इंग्लैंड को 82 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही इंग्लैंड का सीरीज में बराबरी का सपना भी टूट गया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम के बल्लेबाज उम्मीद के अनुरुप नहीं खेल पाये। बल्लेबाज जैक क्राउली ने सबसे अधिक 85 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाये। जेमी स्मिथ 60 के बाद विल जैक्स ने 47 रन और इसके बाद ब्रायडन कार्स ने 39 रन बनाये पर अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने काफी प्रयास किये जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। जेमी स्मिथ एक छोड़ पर जमे हुए थे जिससे मेहमान टीम की उम्मीदें बनी हुई थीं। स्मिथ ने विल जैक्स के साथ मिलकर 91 रन बनाये। इस जोड़ी के टूटने के बाद जैक्स ने ब्रायडन के साथ मिलकर इंग्लैंड की उम्मीदों को बनाये रखा। जैक्स 47 रनों पर आउट हो गए। उनके आउट होते ही फिर इंग्लैंड की पारी ढ़ह गयी। जैक्स और ब्रायडन के बीच 52 रनों की साझेदारी हुई थी।

जैक्स का विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने जोफ्रा आर्चर और जोश टंग का विकेट लेकर मैच जीत लिया। ब्रायडन 39 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क के अलावा नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा स्कॉट बोलेंड ने एक विकेट लिया।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत में एलेक्स कैरी और ट्रेविस हेड की अहम भूमिका रही। कैरी ने पहली जबकि हेड ने दूसरी पारी में शतक लगाकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी।

इससे टीम ने पहली पारी में 371 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा पांच विकेट लिए जबकि ब्रायडन कार्स और विल जैक्स ने 2-2 विकेट लिए वहीं जोश टंग को एक विकेट मिला। वहीं इंग्लैंड की टीम अपनी अपनी पहली पारी में पारी में 286 रन ही बना पाई। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया को 85 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 349 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य दिया था।

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ विश्व टूर के सेमीफाइनल में हारी

हांगझू (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स से बाहर हो गई है। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीता था पर इसके बाद वह अपनी लया बनाये नहीं रख पायी और एक घंटे तीन मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 21-10, 17-21 13-21 से हार गयी। सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में इस चीनी जोड़ी के खिलाफ जीत मिली थी पर सेमीफाइनल में वह इस सिलसिले को बरकारार नहीं रख पाये। चीनी जोड़ी इस बार भारतीय जोड़ी पर भारी पड़ी। मैच के बाद शेट्टी ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने पहले गेम में काफी अच्छी शुरुआत की पर उसे बनाये नहीं रख पाये। । वहीं इससे पहले

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मेलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत के साथ ही बीडब्लयूएफ विश्वटूर के सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम ने मलेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी को एक घंटे से अधिक समय तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इस जीत के साथ ही सात्विक-चिराग सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बन गई है। इस मैच में पहले गेम में हार के बाद भी इस जोड़ी ने जबरदस्त प्रदर्शन कर वापसी की। अब सेमीफाइनल में इस जोड़ी का मुकाबला चीन के लियांग वेइ केंग और वांग चांग से होगा। गौरतलब है कि बीडब्लयूएफ विश्वटूर फाइनल्स साल का सबसे बड़ा बैडमिंटन टूर्नामेंट है, जिसमें हर वर्ग में विश्व के शीर्ष 8 खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसमें ग्रुप स्तर के बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाते हैं।

रोहित ने साहा को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने विकेटकीपर बल्लेबाज विद्धिमान साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिये था। रोहित का मानना है कि साहा देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि उनका तकनीकी कौशल अच्छा है। वह तेज और विविधता भरी गेंदबाजी के खिलाफ एक बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं। उनकी विकेट के पीछे कैच पकड़ने और स्टंपिंग की क्षमता जबरदस्त रही है। साहा ने रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन की गेंदबाजी के सामने भी काफी कठिन कैच लिए हैं। इससे वह भारत का सबसे कुशल विकेटकीपर बनाता है। रोहित न साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें भारत में ऐसा विकेटकीपर कभी नहीं देखा। टेस्ट मैच में गेंद अक्सर घूमती और नीची रहती है पर साहा कभी गलती नहीं करते थे। जडेजा और अश्विन जैसी स्पिनरों के सामने सभी वह आसानी से विकेटकीपिंग करते थे। को सहजता से इससे बाद भी उनकी काफी कम तारीफ हुई है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में साहा ने महेन्द्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत की तरह से काम किया है हालांकि साहा की शैली और तकनीक पारंपरिक रही है। साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 104 शिकार किये हैं। जिनमें 92 कैच और 12 स्टंपिंग्स शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 1,353 रन बनाए, जिनमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 9 एकदिवसीय ही खेले हैं। जहां धोनी तेज से कीपिंग करते थे वहीं साहा शैली में धीमे से अपना कौशल दिखाते हैं।

पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। यहां हुए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पाक टीम ने लीग मुकाबले के दौरान भारतीय टीम के हाथों मिली हार का हिसाब भी बराबर कर दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पाक टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक ने समीर मिन्हास के शानदार शतक से आठ विकेट पर 347 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 348 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ढ़ह गयी और 26.2 ओवर में 156 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान आयुष म्हात्रे 2, जबकि आरोन जॉर्ज 16, वैभव सूर्यवंशी 26, विहान मल्होत्रा 7 और अभिज्ञान कुंडू 13 रनों पर ही आउट हो गये । इसके बाद सभी बल्लेबाज दो अंकों में भी नहीं पहुंच पाये। पाकिस्तान की ओर से अली राजा ने 4 विकेट लिए जबकि मोहम्मद सैयम ने 2 विकेट लिए। अब्दुल सुभन ने 2 विकेट और हुजाईफा अहसान ने भी इतने ही विकेट लिए

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हए पाक टीम ने शुरुआत से आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। समीर ने गेंदबाज किशन सिंह और दीपेश देवेंद्रन के खिलाफ तेजी से शॉट खेले। समीर ने 113 गेंदों पर 17 चौके और 9 छक्के लगाकर 172 रन बनाए । समीर के अलावा अहमद हुसैन ने 72 गेंदों पर 56 रन बनाये। भारत की तरफ से दीपेश देवेन्द्रन ने 3 जबकि हेनिल पटेल और खिलान पटेल ने 2-2 विकेट लिए। पाक के हमजा जहूर 18 रन पर आउट हुए। जहूर के आउट होने के बाद उस्मान खान 35 उतरे और मिन्हास के साथ मिलकर 92 रन की भागीदारी करके स्कोर 123 रन तक पहुचाया। टूर्नामेंट में एक शतक और एक अर्धशतक जड़कर अच्छी फॉर्म में चल रहे बाएं हाथ के अहमद हुसैन ने 56 रन की पारी खेली पर बाएं हाथ के स्पिनर खिलन पटेल 44 रन देकर दो विकेट ने मध्यक्रम के इस बल्लेबाज को स्वीप शॉट खेलने के लिए ललचाया जिससे वह मिड-विकेट पर कैच आउट हो गए। उनके और मिन्हास के बीच 137 रन की भागीदारी ने पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने में अहम भूमिका अदा की।

स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के ऑलराउडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है।। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवे टी20 में तेजी से अर्धशतक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, ''हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गये हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गये हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे है।'' स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रुख सतर्क नहीं रहा। जिससे उनकी टीम को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रभाव अलग ही है। अगर आप उन्हें हावी होने का अवसर देते हैं तो ये नुकसानदेह रहेगा। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उनके सामने सतर्क रुख अपना नुकसान उठाया।''

ईशान किशन की वापसी पर गावस्कर ने खुशी जतायी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार का अच्छा प्रदर्शन हाल के दिनों मे ईशान ने किया था उससे उनकी वापसी तय थी। गावस्कर ने कहा, मैं ईशान के लिए बहुत खुश हूं. वह कुछ समय टीम से बाहर रहे पर झारखंड को ट्रॉफी दिलाकर उसने शानदार वापसी की। वहीं गावस्कर ने बल्लेबाज शुभमन गिल को बाहर किए जाने पर हैरानी जतायी पर कहा कि फॉर्म में नहीं होने से उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने कहा, वह अच्छे बल्लेबाज हैं और उनका प्रदर्शन 2024 टी20 विश्व कप के बाद से ही सराहनीय रहा ह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि वह रन नहीं बना पाये कुछ मैचों में उन्हें परेशानी हुई पर फॉर्म आती-जाती है। टी20 में शुरुआत से ही तेज खेलना होता है, अगर लय न हो तो मुश्किल हो जाती है। इसी कारण शायद उन्हें बाहर किया गया है। गावस्कर ने कहा, 'उनका स्वाभाविक खेल टेस्ट क्रिकेट के लिए ज्यादा सही है। वह टी20 में तेज रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं पर वह बहुत अच्छे खिलाड़ी है। हमने यह आईपीएल में भी देखा है, इसलिए टी20 उनके लिए नया प्रारुप नहीं है। गावस्कर ने जितेश को बाहर किये जाने पर दुख जताते हुए कहा, जितेश ने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्हें जितने मौके मिले, वह अच्छे विकेटकीपर साबित हुए। उनके लिए परेशान है पर युवा होने के कारण वह वापसी करेंगे।

वर्ल्ड टेनिस लीग 2025: सुरेश की धमाकेदार सर्व से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने जीता खिताब

बैंगलुरु (एजेंसी)। वर्ल्ड टेनिस लीग 2025 (WTL) ने बैंगलुरु के स्रू कृष्णा स्टेडियम में चार दिनों तक रोमांचक टेनिस का आनंद दिया। फाइनल में भारत के धक्षिणेश्वर सुरेश की शानदार परफॉर्मेंस की मदद से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने AOS ईगल्स को 22-19 से हराकर अपना पहला WTL खिताब अपने नाम किया।

फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स टूर्नामेंट में टेबल के निचले हिस्से में थीं। लेकिन टूर्नामेंट के डायनामिक फॉर्मेट ने उन्हें लय में वापस लाकर फाइनल तक पहुंचाया। दर्शकों से भरे स्टेडियम में क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव और केएल राहुल भी मौजूद थे। इस रोमांचक मुकाबले में टीम ने आखिरी क्षण तक शानदार खेल दिखाया।

धक्षिणेश्वर सुरेश ने ग्रुप स्टेज में सुमित नागल से मिली हार का बदला फाइनल में 7-6 के निर्णायक सेट से चुकाया। 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के छात्र हैं, ने डेनियल मेदवेदेव जैसे बड़े खिलाड़ियों को हराकर खुद को भविष्य के स्टार खिलाड़ी के रूप में पेश किया।

फाइनल में मार्टा कोस्त्युक ने पहले मैच में श्रीवल्ली भामिदिपति को 6-4 से हराकर मावेरिक्स को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि AOS ईगल्स ने मिक्स्ड डबल्स में श्रीवल्ली और गेल मोनफिल्स की मदद से मावेरिक्स को 6-3 से हराकर वापसी की कोशिश की।

लेकिन उनकी वापसी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। निक किर्गियोस और धक्षिणेश्वर सुरेश की जोड़ी ने सुमित नागल और मोनफिल्स को 6-3 से हराकर निर्णायक जीत मावेरिक्स के नाम कर दी। इस शानदार प्रदर्शन के लिए धक्षिणेश्वर को 'मैन ऑफ़ द फाइनल' का खिताब भी मिला।

वर्ल्ड टेनिस लीग, जिसे 'The Greatest Show on Court!' कहा गया है, ने भारतीय दर्शकों को विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का मौका दिया। टूर्नामेंट में AOS ईगल्स, ऑसी मावेरिक्स काइट्स, गेम चेंजर्स फाल्कन्स और वीबी रियल्टी हॉक्स ने भाग लिया। युवा भारतीय खिलाड़ियों जैसे धक्षिणेश्वर सुरेश, श्रिवल्ली, सहजा यमालपल्ली और माया राजेश्वरन ने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलकर सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर पाया।

हॉलैंड ने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया, रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

लंदन । एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (EPL) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था। आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया। हॉलैंड ने इस सत्र में सिटी और नॉर्वे के लिए कुल 28 मैचों में 38 गोल किए हैं। हॉलैंड के प्रीमियर लीग में 104 गोल हो गए, जो रोनाल्डो से एक अधिक है। लिवरपूल ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही टॉटेनहम की टीम को 2-1 से हराया जबकि चेल्सी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद न्यूकैसल के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भारतीय फुटबॉल के लिए फायदेमंद होगा या नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेस्सी का भारत आगमन महज एक भव्य आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए संभावनाओं से भरा अवसर माना जा रहा है। उनकी मौजूदगी से खेल को वैश्विक मंच पर पहचान मिली और युवा खिलाड़ियों में उत्साह भी देखने को मिला। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि क्या यह दौरा भारतीय फुटबॉल के भविष्य में कोई ठोस बदलाव ला पाएगा।

मैच या प्रशिक्षण से बन सकता था दौरा ज्यादा प्रभावी

अगर यह दौरा फुटबॉल के वास्तविक विकास को ध्यान में रखकर होता, तो मेस्सी का भारतीय राष्ट्रीय टीम या किसी स्थानीय क्लब के खिलाफ मुकाबला खेलना ज्यादा सार्थक होता। 1977 में पेले द्वारा मोहन बागान के खिलाफ खेला गया ऐतिहासिक मैच आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा, किसी फुटबॉल अकादमी का दौरा, युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना या वंचित बच्चों से मुलाकात इस यात्रा को खेल और समाज–दोनों के लिए उपयोगी बना सकती थी।

कमजोर दौर से गुजर रहा है भारतीय फुटबॉल

मेस्सी का दौरा ऐसे समय हुआ जब भारतीय फुटबॉल कठिन दौर से गुजर रहा है। नवंबर 2025 की फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष टीम 142वें स्थान पर है। वहीं, इंडियन सुपर लीग (ISL) के भविष्य, ढांचे और स्थिरता को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

खेल से ज्यादा दिखी मार्केटिंग

यह दौरा फुटबॉल से अधिक मार्केटिंग केंद्रित नजर आया। भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखते हुए यह यात्रा इंटर मियामी के प्रचार और अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप को लेकर उत्साह पैदा करने तक सीमित रही। कई ऐसे लोग भी मेस्सी के साथ फोटो खिंचवाने को उत्साहित दिखे, जिनका खेल से सीधा कोई संबंध नहीं था।

क्रिकेट बैट भेंट करना बना चर्चा का विषय

दौरे के दौरान कुछ अजीब दृश्य भी सामने आए। ICC अध्यक्ष जय शाह द्वारा मेस्सी को भारतीय क्रिकेट टीम के हस्ताक्षर वाला बैट भेंट करना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना। फुटबॉल से जुड़े इस दौरे में क्रिकेट प्रतीकों की मौजूदगी पर सवाल भी उठे।

मजबूत फुटबॉल संस्कृति की दरकार

भारत को एक मजबूत फुटबॉल राष्ट्र बनने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा। इसके लिए माता-पिता का सहयोग, स्कूलों में बेहतर खेल ढांचा और शिक्षा प्रणाली में खेल को पर्याप्त महत्व देना बेहद जरूरी है।

आईएसएल की संरचनात्मक चुनौतियां

आईएसएल के शुरुआती दो सत्र सफल जरूर रहे, लेकिन प्रमोशन और रेलिगेशन सिस्टम की कमी ने प्रतिस्पर्धा को कमजोर किया। साथ ही विदेशी स्ट्राइकरों पर अधिक निर्भरता के चलते भारतीय फॉरवर्ड्स का विकास प्रभावित हुआ, जिसका असर राष्ट्रीय टीम पर साफ दिखता है।

खिलाड़ियों की उपलब्धता और 'इंडियन एरोज़' पहल

राष्ट्रीय टीम के लिए एक और बड़ी समस्या यह है कि क्लब अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों को रिलीज नहीं करते। ऐसे में एआईएफएफ की 'इंडियन एरोज़' पहल अहम साबित हुई, जिसने वैकल्पिक प्रतिभाओं का मजबूत पूल तैयार किया।

भव्य आयोजन, लेकिन सीमित असर

कुल मिलाकर, लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भले ही भव्य, चर्चित और ग्लैमर से भरपूर रहा हो, लेकिन भारतीय फुटबॉल को इससे कोई स्थायी लाभ मिलता नजर नहीं आया। जब तक जमीनी स्तर पर संरचनात्मक सुधार और मजबूत खेल संस्कृति विकसित नहीं होती, तब तक ऐसे बड़े दौरे सिर्फ सुर्खियों और उत्साह तक ही सीमित रहेंगे।

सैमसन का अंदर-बाहर होते रहने पर छलका दर्द

मुम्बई । भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर साबित किया है कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर ही वह बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। सैमसन को शुरुआती चार मैचों में जगह नहीं मिली थी। शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत से हट दिया गया था जिसपर काफी सवाल भी उठे थे। वहीं उनकी टीम में जगह पक्की न होने को लेकर तर्क दिया जाता रहा है कि उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है। शुभमन के चोटिल होने के कारण उन्हें अंतिम मैच में शामिल किय गया। वहीं समय-समय पर सैमसन ने टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी निराशा भी जाहिर की है। इरफान पठान से बातचीत के दौरान सैमसन का दिल् का गुब्बार निकल या। . इस दौरान सैमसन ने कहा कि लगातार अंदर-बाहर होने से उनका हौंसला टूटा है। पठान ने उनसे पूछा, 'आप जब मैच नहीं खेल रहे थे तो मजे के लिए क्या कर रहे थे?' इसके जवाब में सैमसन ने कहा, 'मजे के लिए इंतजार कर रह था बस। आप जानते हो इरफान भाई चयन के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर नहीं सकते हैं। बस ट्रेनिंग करो और खुश रहो, जितना हो सकता है अपनी भागीदारी निभाओ।' वहीं जब पठान ने पूछा कि 'जब आप नहीं खेल रहे थे तो टीम प्रबंधन आपके से क्या बात कर रही थी और कितना बात कर रही थी।' इसपर सैमसपन ने कहा, 'टीम का माहौल बहुत महत्वपूर्ण रहता है। हमारे लीडरशिप ग्रुप में कप्तान सूर्यकुमार और कोच गौतम गंभीर के साथ मेरा बहुत अच्छा संबंध है इसलिए संपर्क हमेशा रहा है। इसपर इरफान ने पूछा कि ऐसे में उम्मीद है कि हम आपको अब लगातार पारी शुरु करते देखेंगे। इसप सैमसन ने हंसते हुए कहा कि ऐसा पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है।

अभिनेत्री श्रीलीला ने एआई के दुरुपयोग पर जताई नाराजगी

सोशल मीडिया पर एआई का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। एक तरफ यह तकनीक जीवन को आसान बना रही है, तो दूसरी ओर इसके गलत इस्तेमाल से कई लोगों की छवि को भी नुकसान पहुंचाया गया है। इसकी चपेट में मनोरंजन जगत के सितारे भी पीछे नहीं हैं। डीप फेक कंटेंट से परेशान कई सेलेब्स ने इसको लेकर आवाजें भी उठाई हैं। इसी कड़ी में साउथ सिनेमा की अभिनेत्री श्रीलाला ने नाराजगी जताते हुए बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने सभी से निवेदन किया कि बढ़ते एआई फेक वीडियो या किसी भी प्रकार के कंटेंट का समर्थन न करें। उन्होंने लिखा, मैं हाथ जोड़कर सभी से निवेदन करती हूं कि कृपया एआई द्वारा बनाई गई गलत और फेक चीजों का समर्थन न करें। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और उसका दुरुपयोग करने में जमीन-आसमान का फर्क है। मेरी नजर में टेक्नोलॉजी का उद्देश्य जिंदगी को आसान बनाना है, न कि उसे और भी ज्यादा मुश्किल करना। उन्होंने आगे लिखा कि दुनिया की हर लड़की किसी की बेटी, बहन, पोती या दोस्त होती है, भले ही वह फिल्म इंडस्ट्री में काम क्यों न कर रही हो। हम सब एक ऐसे माहौल में काम करना चाहते हैं, जहां पर खुशी फैले और हर कोई सुरक्षित महसूस करे। श्रीलीला ने खुलासा किया कि व्यस्त शेड्यूल की वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर चल रही बातों की जानकारी देर से प्राप्त हुई। इसी के साथ अभिनेत्री ने अपने फैंस और शुभचिंतकों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें अलर्ट किया। अभिनेत्री ने लिखा, मैं हमेशा बातों को हल्के में लेकर अपनी दुनिया में मस्त रहती आई हूं, लेकिन यह सब बहुत परेशान करने वाला और दुखद है। मैं देख रही हूं कि मेरे कई सहकलाकार भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। मैं सभी की तरफ से यह बात रख रही हूं। अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, सम्मान और गरिमा के साथ, मैं अपने फैंस पर भरोसा रखते हुए, सभी से निवेदन करती हूं कि कृपया हमारा साथ दें।

कास्टिंग काउच पर छलका बिग बॉस 19 फेम मालती चाहर का दर्द

बिग बॉस 19 में अपनी मजबूत पर्सनालिटी से लगभग फिनाले में अपनी जगह बना चुकी मालती चाहर अब शो के बाद भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में मालती ने अपने करियर से जुड़ा एक ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के उस काले सच की ओर फिर से ध्यान खींच लिया, जिस पर अक्सर खुलकर बात नहीं होती। मालती ने अपने साथ हुए कास्टिंग काउच को लेकर खुलासा किया है।

जब कास्टिंग काउच का शिकार हुईं मालती

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे एक सीनियर फिल्ममेकर से मुलाकात उनके लिए डरावना अनुभव बन गई। उन्होंने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब वह एक प्रोजेक्ट को लेकर लगातार मीटिंग्स कर रही थीं। मालती के मुताबिक, काम खत्म होने के बाद उन्होंने शिष्टाचार के तौर पर सामने वाले को साइड हग किया, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने उन्हें अंदर तक हिला दिया।

मालती ने क्या कुछ कहा?

इस घटना पर बात करते हुए मालती ने कहा, मैं नाम नहीं लूंगी लेकिन मैंने उसे साइड हग की और उसने मुझे किस करने की कोशिश की। उसने बदतमीजी की और मैंने उसे सूत-समेत वापस दिया। तो मेरे साथ ये पहली घटना थी जो हुई। ये एक डायरेक्टर थे। वो बहुत उम्रदराज थे और मैं हैरान रह गई कि ये आखिर हुआ क्या। मालती ने बताया कि सीनियर फिल्ममेकर को इस तरह से हरकत करते देखना हैरानी भरा था। कुछ सेकंड तक उन्हें समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन उन्होंने तुरंत खुद को संभाला और वहां से दूरी बना ली। मालती का कहना है कि वह उस शख्स को एक सम्मानित और पिता तुल्य मानती थीं, इसलिए इस तरह के व्यवहार की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

सभी को सतर्क रहने की दी सलाह

मालती ने इंटरव्यू में ये भी स्वीकार किया कि कास्टिंग काउच जैसी घटनाएं इंडस्ट्री में आज भी होती हैं। उनके मुताबिक, कई बार लोग सामने वाले की बॉडी लैंग्वेज और नेचर को पढ़कर अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश करते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि ज्यादातर लोग सीमाएं समझते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो लाइन क्रॉस कर जाते हैं। बिग बॉस 19 की बात करें तो यह सीजन दर्शकों के बीच काफी चर्चा में रहा। शो का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हुआ, जिसमें गौरव खन्ना ने ट्रॉफी अपने नाम की। फरहाना भट्ट रनर-अप रहीं, जबकि प्रणीत मोरे दूसरे रनर-अप बने। मालती चाहर ने भी शो में टॉप 6 तक का सफर तय किया था।

सही समय पर बन रही है कॉकटेल 2

कृति सेनन मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की लीडिंग एक्ट्रेस में शामिल हैं। वो लगातार बड़ी फिल्मों का हिस्सा बन रही हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' ने भी बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ऊपर की कमाई की। अब अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग से जुड़े किस्सों को साझा किया। साथ ही अपने साथी कलाकारों शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना को लेकर भी बात की।

कृति ने की शाहिद और रश्मिका की तारीफ

कॉकटेल 2 के अपने को-एक्टर्स शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के बारे में भी कृति ने बात की। उन्होंने कहा कि शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ शूटिंग करना बहुत मजेदार रहा। निर्देशक होमी अदजानिया तो बिल्कुल पागल हैं। उनकी मस्ती ही हम सबको एक मजेदार सफर पर ले जाती है। 'कॉकटेल 2' में कृति शाहिद के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) के बाद दूसरी बार काम कर रही हैं। शाहिद को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि वह कहते हैं, आपसे एक इंसान के तौर पर मिलकर अच्छा लगा। आपको इंसान न होने की वजह से बंधे रहने की जरूरत नहीं है।

तस्करों की कहानी लेकर आ रहे नीरज पांडे, इमरान हाशमी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

'स्पेशल ऑप्स' जैसी सीरीज और 'स्पेशल 26' व 'ए वेड्नेसडे' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक नीरज पांडे एक नई सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में इमरान हाशमी और शरद केलकर जैसे सितारे नजर आएंगे। सीरीज की घोषणा हो गई है। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। आज सीरीज की घोषणा करते हुए मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सीरीज की शूटिंग के दौरान की झलक देखने को मिलती है। जिसमें निर्देशक नीरज पांडे डायरेक्शन करते नजर आते हैं। साथ ही इमरान हाशमी और शरद केलकर समेत सीरीज की स्टारकास्ट अलग-अलग सीन में नजर आती है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि यह सीरीज एक्शन-सस्पेंस-थ्रिलर होने वाली है। अनाउंसमेंट वीडियो में इमरान हाशमी कस्टम ऑफिसर की यूनिफॉर्म में नजर आते हैं। जबकि शरद केलकर अलग-अलग अंदाज में दिखते हैं। फिलहाल अभी तक कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

अपनी पहली फिल्म को इसलिए भूलना चाहती हैं राधिका आप्टे

राधिका आप्टे ने फिल्म वाह! लाइफ हो तो ऐसी (2005) में एक छोटे रोल से बड़े पर्दे पर एक्टिंग की शुरुआत की। बॉलीवुड इंडस्ट्री में उन्हें 20 साल हो चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि वह अपनी पहली फिल्म को भूलना चाहती हैं क्योंकि प्रोड्यूसर ने उनके साथ अजीब व्यवहार किया था। बातचीत में राधिका आप्टे ने खुलासा करते हुए बताया प्रोड्यूसर ने मुझे हौसला नहीं दिया, उन्होंने मुझे मेहनताना भी नहीं दिया। जब मेरी मां और मैंने कॉन्ट्रैक्ट साइन करने के लिए कहा, तो प्रोड्यूसर ने कहा कि उर्मिला मातोंडकर ने भी कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट साइन किया या नहीं लेकिन उन्होंने मेरे साथ अजीब व्यवहार किया। इसलिए मैं अपनी पहली फिल्म भूलना चाहती हूं क्योंकि उस फिल्म का प्रोडक्शन बहुत अजीब था।

वाह! लाइफ हो तो ऐसी को अपनी फिल्मों में नहीं गिनतीं

राधिका आप्टे ने आगे बताया कि फिल्म के डायरेक्टर महेश मांजरेकर ने उन्हें ब्रेन सर्जन नाम के एक नाटक में देखा था। इसलिए वह उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे। वाह! लाइफ हो तो ऐसी में काम करने के बाद राधिका कॉलेज पूरा करने वापस चली गईं। कई वर्षों के बाद वह फिल्मों में वापस आईं। उनका कहना है कि वह उस फिल्म को अपनी फिल्मों में नहीं गिनतीं।

मैं कुछ मजेदार और ताजा करना चाहती थी

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर बात करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही प्यारी फिल्म है। मुझे लगता है कि कभी-कभी जीवन में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे कोई न कोई कारण होता है। तेरे इश्क में एक इंटेंस और इमोशनली थका देने वाली फिल्म थी। मुझे लगता है कि मैं तुरंत कोई और इंटेंस फिल्म नहीं कर सकती थी। मुझमें वह क्षमता नहीं थी। मैं पूरी तरह से थक चुकी थी। मैं कुछ मजेदार, ताजा, कुछ ऐसा करना चाहती थी जो मैंने पहले कभी नहीं किया हो, कुछ ऐसा जिसका मैं आनंद ले सकूं।

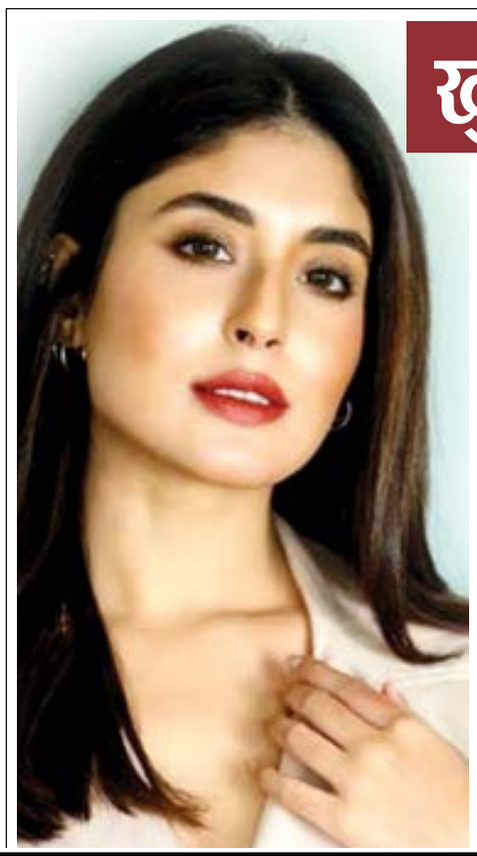

खुद को एक चैलेंज देने के लिए फिल्मों और ओटीटी पर आई

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा अब छोटे पर्दे से ज्यादा फिल्मों और ओटीटी पर ध्यान दे रही हैं। हाल ही उनकी द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली फिल्म भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है।

पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने छोटे पर्दे पर कितनी मोहब्बत है और कुछ तो लोग कहेंगे से खूब नाम कमाया। अनुभव सिन्हा की फिल्म भीड़ में विधि के उनके किरदार की खूब तारीफ हुई। इसी तरह ओटीटी पर तांडव जैसी वेब सीरीज में भी उनके काम की खूब सराहना हुई। बरेली में पैदा हुई कृतिका उन कलाकारों में से है, जिन्होंने टीवी, फिल्मों और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, तीनों पर अपनी धमक दिखाई है। इन दिनों वह ओटीटी पर रिलीज अपनी नई फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर कृतिका कामरा अक्सर अपने घूमने-फिरने और खाने-पीने से जुड़े फोटोज-विडियोज शेयर करती रहती हैं।

ट्रैवल के दौरान अलग जोश होता है

खाने के साथ ही कृतिका घूमने की भी शौकीन हैं। वह कहती हैं, ऐसा नहीं है कि मैं कुछ खाने के लिए ही ट्रैवल प्लान करूंगी। मगर हां, अगर मैं कहीं जा रही हूं तो मेरे पास पहले से ही लिस्ट होती है कि मुझे फलाना जगह जाकर ये खाना है, वहां का रिजर्वेशन कर लूंगी। मेरे साथ यह भी होता है कि जैसे कभी किसी खास जगह के ट्रिप पर मुझे जाना होता है, लेकिन प्लान फेल हो जाता है। मैं तीन-चार बार अमेरिका जाने का प्लान बना चुकी हूं, लेकिन हर बार किसी ना किसी वजह से प्लान धरा का धरा रह जाता था। हालांकि फिर कुछ साल बाद मैं वहां गई और कुछ रेस्टोरेंट में जाकर मैंने वहां का स्वाद लिया। (हंसते हुए) ट्रैवल करते वक्त मेरे अंदर एक अलग जोश आ जाता है सोशल मीडिया के लिए, जो बाकी वक्त सो रहा होता है।

हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है

कृतिका इन दिनों अपनी फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। वह कहती हैं, हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है, क्योंकि ये एक हिंदुस्तानी फैमिली है। हमारे यहां यह खास बात है कि हम परिवार को बहुत ऊंचा दर्जा देते हैं। इसकी हम बहुत इज्जत भी करते हैं। ऐसा ही कुछ मेरे किरदार बानी के साथ भी है। इस फिल्म के अंदर मेरी एक डेड लाइन है, पर मेरी फैमिली मुझे अकेला नहीं छोड़ रही है। वैसे तो मैं अकेले रहती हूं पर मेरे घर में सुबह से ही घंटी बजनी शुरू होती है। जब-जब घंटी बजती है, परिवार का कोई एक सदस्य वहां आ जाता है और अपनी प्रॉब्लम लेकर बैठ जाता है। लगभग पूरा ही परिवार मेरे घर में है और हमारे पास सॉल्व करने के लिए बहुत सारी समस्याएं हैं।

जिस काम में जल्दी हो उसी में दिक्कतें आने लगती हैं

जब किसी काम की डेडलाइन पास में हो तो कुछ ना कुछ उथल-पुथल वाली चीजें होती रहती हैं। कृतिका के साथ भी क्या ऐसा कुछ होता है? वह कहती हैं, ऐसा होता ही है कि जब आपको कोई चीज तुरंत करनी होती है, तो सारी बाधाएं उस दिन आएंगी। मेरे साथ जो सबसे कॉमन चीज होती है, वो यह है कि अगर मुझे कहीं पहुंचना है और मैं निकलते हुए लेट हो जाऊं, उसके बाद एक के बाद एक सब कुछ गलत होता जाता है। जैसे टाइम पर लिफ्ट नहीं आएगी, गाड़ी के सामने बार-बार रेड लाइट आएगी, कभी टायर पंचर हो जाता है। तब लगता है कि जो चीज आप जल्दी से करना चाहो तो पूरी कायनात उस चीज के लिए रुकावटें खड़ी करने में लग जाती है। हालांकि, शाहरुख की फैन हूं तो मैं ऐसा नहीं मानती हूं।

एक्टर प्लेटफॉर्म को महत्व नहीं देते

टीवी से ओटीटी में आने का निर्णय लेना कृतिका कामरा के लिए कितना बड़ा कदम रहा है, इस सवाल के जवाब में वह कहती हैं, मैंने टीवी पर बहुत साल काम किया। मेरे जीवन में और सीखने के लिहाज से टीवी ने काफी अहम रोल अदा किया। जब मैंने छोटे पर्दे पर बहुत साल काम कर लिया था, तब मैं एक ऐसे पॉइंट पर पहुंच चुकी थी, जब मुझे लगने लगा था कि मुझे खुद को एक चैलेंज देना है, कुछ नया करना है, मुझे एक नई दिशा में देखना होगा। तब मैंने फिल्म और वेब शोज के लिए ऑडिशन देना शुरू किया। लेकिन एक्टर के दिमाग में इतना अंतर नहीं होता है कि वह किस मीडियम में काम कर रहा है। मैं कभी ये नहीं देखती कि ओटीटी पर काम करूंगी तो मुझे कौन-सी ऑडियंस मिलेगी।

दमण सर्व समाज क्रिकेट टूर्नामेंट में पहुंचे विवेक भाठेला एवं हरीश पटेल: फाइनल विजेता एवं उपविजेता टीम को सौंपी ट्रॉफी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 दिसंबर। दमण सर्व समाज क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन वरकुंड क्रिकेट ग्राउंड - वीरा-दा-ढाबा के पीछे किया गया था। जिसमें दमण की सर्व समाज की 10 टीमों ने हिस्सा लिया था। इस क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला उत्तर भारतीय और कामली समाज की टीम के बीच खेला गया, जिसमें उत्तर भारतीय समाज की टीम विजेता बनीं। इस अवसर पर सामाजिक अग्रणी विवेक भाठेला एवं हरीश पटेल ने मुख्य रुप से उपस्थित रहकर खिलाडियों का उत्साह बढाया और फाइनल विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी सौंपी। इस अवसर पर जहीरभाई, विरार रियाज शेख एवं तुषार कामली सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे। मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी सुंदरम दिवाकर और मैन ऑफ द सीरीज की ट्रॉफी आर्यन कामली को दी गई। इस टूर्नामेंट के आयोजन में रियाज राज खालीद शाह और दमण टाइगर का पूरा सहयोग रहा।

भेंसलोर ग्राम पंचायत में मनाया गया दमण-दीव का 65वां मुक्ति दिवस

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 दिसंबर। दमण के भेंसलोर ग्राम पंचायत में 19 दिसंबर को दमण-दीव का 65वां मुक्ति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भेंसलोर सरपंच सविता पटेल के हाथों ध्वजारोहण किया गया। इस कार्यक्रम में पंचायत सदस्यों, पूर्व सैनिकों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

सरकारी प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय भामटी में हुआ माँ-बेटी मिलन कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 दिसंबर। सरकारी प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय भामटी में माँ-बेटी मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित दमणवाडा ग्राम पंचायत सरपंच कल्पना हलपति ने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। उन्होंने छात्राओं को शिक्षित करने के लिए उपस्थित माताओं का आह्वान किया। इस कार्यक्रम के दौरान माँ और बेटी के बीच संवाद भी कराया गया। इस कार्यक्रम में बडी संख्या में माताएं मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में दमण में 13745 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 दिसंबर। दमण में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान अंतर्गत 21 दिसंबर 2025 को टीकाकरण बूथ पर से 13,745 बच्चों को पोलियो डोज पिलाये गए। आज सघन पल्स पोलियो रसीकरण अभियान का शुभारंभ हुआ। माताएं अपने बच्चों को लेकर नजदीक के पोलियो रसीकरण बूथ की ओर जा रही थी। जिससे अपना बच्चा पोलियो की बीमारी से सुरक्षित एवं स्वस्थ रह सके। स्वास्थ्य सचिव अरवा गोपी कृष्ण एवं स्वास्थ्य मिशन निदेशक (एनएचएम) अमित कुमार पमासी के दिशा निर्देशन में प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. प्रमोद कोकरे की निगरानी में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कार्य कर रही पल्स पोलियो टीकाकरण की सभी टीम प्रातः 7 बजे से ही बैनर, पोस्टर एवं उच्च गुणवत्तायुक्त पोलियो वैक्सीन लेकर अपने-अपने रसीकरण बूथ की ओर बैनरों से सज्जित वाहनों में जा रही थी। सम्पूर्ण दमण में आज रसीकरण बूथ, मोबाइल एवं ट्रांसिट टीम द्वारा 13,745 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। बडी संख्या में पर्यटकों, औद्योगिक एवं निर्माण कार्य के मजदूरों ने भी अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। सभी प्रवेश द्वार, चेक पोस्ट, टैक्सी स्टैंड, बस स्टैंड एवं पर्यटन स्थानों पर पल्स पोलियो की टीम तैनात थी। प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. प्रमोद कोकरे ने खासकर औद्योगिक क्षेत्रों के बूथों का निरीक्षण किया। 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक पोलियो टीकाकरण टीम घर-घर जायेगी और पोलियो डोज न पिये हुए बच्चों की पहचान कर पोलियो डोज पिलाएगी। सभी लोगों से निवेदन है कि पोलियो टीम को सहयोग देकर कार्यक्रम में सहभागी बने। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राज्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. रिचा जोग का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

दीव जिला भाजपा कार्यालय पर 19 दिसंबर को मनाया गया दमण-दीव का 65वां मुक्ति दिवस

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 दिसंबर। दमण-दीव के 65वें मुक्ति दिवस पर 19 दिसंबर को दीव में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। इसी के तहत दीव जिला भाजपा द्वारा भाजपा कार्यालय में मुक्ति दिवस पर ध्वजवंदन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान उपस्थित भाजपाईयों ने राष्ट्रगीत के साथ तिरंगे को सलामी दी। इस मौके पर दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे ने स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया और मुक्ति दिवस के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में दीव जिला भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, चुने हुए जनप्रतिनिधियों, गायत्री परिवार के सदस्यों सहित की उपस्थिति रही।

हेमांग पटेल का गुजरात से एक दिवसीय विजय हजारे ट्रॉफी के लिए हुआ चयन

■ क्रिकेट कोच भगू पटेल ने दी शुभकामनाएं

चाहनेवाले पूरे दमण की क्रिकेट प्रेमियों और उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है।

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 दिसंबर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित अखिल भारतीय एक दिवसीय विजय हजारे ट्रॉफी का आयोजन 24 दिसंबर 2025 से होने जा रहा है। जिसमें दमण के हरफनमौला खिलाड़ी हेमांग पटेल गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन की टीम से अपने जलवे बिखेरते हुए नज़र आयेगा। हेमांग के चयन पर उनके कोच भगू पटेल ने हेमांग को शुभकामना दी है और खुशी जताते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया है कि हेमांग एक बहुत ही बढ़िया युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। जिसने गुजरात अंडर 14, 16, 19, 23, 25 और रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली और एक दिवसीय विजय हजारे ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिता में खेलने का बहुत बड़ा अनुभव रखते है जो गुजरात टीम को कई बार अपना बढ़िया प्रदर्शन करके जीत दिलाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आगे क्रिकेट कोच भगू पटेल ने बताया है कि गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने हेमांग पटेल पर जो भरोसा जताया है उसपर वह खरा उतरेगा जिसपर मुझे पूरा विश्वास है। हेमांग के चयन पर उनके

दीव की शहीद भगत सिंह ग्राम पंचायत में सबकी योजना सबका साथ जीपीडीपी-2026-27 के अंतर्गत हुई ग्रामसभा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 दिसंबर। दीव की शहीद भगत सिंह ग्राम पंचायत में सबकी योजना सबका साथ जीपीडीपी-2026-27 के अंतर्गत ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस ग्रामसभा में जीपीडीपी की कार्य योजना, वर्ष भर में ग्राम पंचायत की आय-व्यय, ग्राम पंचायत की आगामी योजना जैसी कई जानकारी दी गई। साथ ही दीव के विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लोगों को उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। जिसमें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं उसकी योजनाएं, बैंकों में लोगों के लिए उपलब्ध योजनाएं, टोरेंट पावर के कर्मचारियों ने सोलर लेकर योजना की जानकारी दी। रोजगार संबंधी जानकारी, आयुष स्वास्थ्य, मिशन शक्ति के अंतर्गत योजनाओं की विस्तृत जानकारी, किसानों के लिए मत्स्य पालन एवं मछुआरों की योजना, कृषि विभाग द्वारा योजना की जानकारी, सरकारी योजना की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई। इस ग्रामसभा में मौजूद गांववालों ने भी अपनी समस्याएं बताईं और चर्चा करके प्रस्ताव पास किया। इस ग्रामसभा में शहीद भगत सिंह ग्राम पंचायत के सरपंच मेघजी लाखा, डिप्टी कलेक्टर शिवम मिश्रा, मामलतदार धर्मेश दमणिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता कोटिया, उपप्रमुख नानजी सोलंकी, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्यों, जिला पंचायत सदस्य सहित की उपस्थिति रही। इस ग्रामसभा के दौरान आयोजित आयुष कैंप का ग्रामीणों ने लाभ लिया।

पल्स पोलियो टीकाकरण में कन्नड़ सेवा संघ ने दिया सहयोग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 दिसंबर। सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए कन्नड सेवा संघ और कन्नड़ महिला संघ दादरा नगर हवेली ने 21 दिसंबर 2025 को गार्डन सिटी, सामरवरणी, सिलवासा में चल रहे पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम में सहयोग किया। होसमानी उपाध्यक्ष, प्रकाश नायक कोषाध्यक्ष, रेणुका होसमानी, प्रभा आनंद और कन्नड़ सेवा संघ और कन्नड़ महिला संघ दादरा नगर हवेली के अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। सिलवासा नगरपालिका काउंसिलर रजनी शेट्टे ने दौरा किया और पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम को प्रोत्साहित भी किया। लोगों की सक्रिय भागीदारी और आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, सीएचओ और पीएचसी मसाट के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के समर्पित सहयोग के कारण कार्यक्रम बहुत सफल रहा। कन्नड़ सेवा संघ और कन्नड़ महिला संघ दादरा नगर हवेली ने दिए गए अवसर के लिए आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, सीएचओ और पीएचसी मसाट के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी और डीएमएचएस अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

दीव जिले में पोलियो टीकाकरण अभियान अंतर्गत 3118 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 दिसंबर। पोलियो रविवार के तहत दीव में राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया। दीव स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुल 34 स्थानों पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान दीव जिले में कुल 3118 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। इस दौरान जीरो से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। विभिन्न स्थानों पर सरपंचों, काउंसिलरों एवं पंचायत सदस्यों ने भी पोलियो बूथ पर पहुंचकर स्वास्थ्य विभाग की टीम का सहयोग किया। 22 से 24 दिसंबर तक स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर पोलियो की खुराक न पिये हुए बच्चों की पहचान करके उन्हें पोलियो की खुराक पिलायेगी।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)